वर्ष 39 अंक 23, नई दिल्ली, 06 – 12 जून 2021

Date of Publication - 06-06-2021

सदस्यता राशि 250 रु. कुल पृष्ठ संख्या-8 मूल्य 2 रु.

HPC GAS & HOME APPLIANCES

www.hpcindia.co.in
lakshitgoyal@gmail.com
9871695230, 9810100965

प्रचार नहीं तो व्यापार नहीं नायक भारती में विज्ञापन देकर व्यापार बढ़ाएँ।

समय की कसौटी पर खरा

नायक भारती

नायक भारती में विज्ञापन दरों में विशेष छूट, (स्पेशल डिस्काउंट) का लाभ उठाएँ।

Since 2005
आधार श्री (P.O.P.)
KING OF PLASTER

P.O.P. | PUTTY | PAINTS

Whats App No. 7042426747 9810100965 nayak_bharti@hotmail.com Nayak Bharti Newspaper

प्रेरणास्रोत : स्व. श्री नेकीराम गुप्ता • संस्थापक : स्व. श्री कैलाश चंद गुप्ता • संपादक : मनमोहन कृष्ण • प्रबन्ध संपादक : अश्वनी कुमार ■ ऑफिस : 15, ट्रांसपोर्ट सेन्टर, निकट पंजाबी बाग फ्लाई ओवर, दिल्ली-35

अर्जुन, तू योगी बन

देश में आजादी के बाद दो शब्द विशेष तौर पर प्रचलन में आए, ये शब्द हैं दलित और धर्मनिरपेक्ष। आस्था को रास्ता मिलता है और निष्ठा को मंजिल। भारत सदियों से भारत ही रहा है। हजार साल की गुलामी में देशवासियों ने क्या-क्या दिन नहीं देखे। इतिहास के पन्नों को पढ़े तो रुह कांप जाती है। स्वार्थ ने हमेशा अज्ञानियों का शोषण किया है, पोषण नहीं। दलित यानि शोषित समाज और धर्म निरपेक्ष धर्म से विमुख भटका हुआ, जो अधर्म को ही धर्म मानता है। जब हम निःस्वार्थ भाव में परमात्मा के होकर कार्य करेंगे तो शब्द के पीछे नहीं शब्द के अंदर जाएंगे, ये बात हमें गीता बताती है।

दलित शब्द जिसने भी दिया, उसने अज्ञानता का ही बीज बोया। उस बीज से उगे पेड़ पर जो भी फल लगे वो जहरीले हो गए। उस फल को खाने वाला कभी अपने पैरों पर चल नहीं पाया। वर्ण व्यवस्था परमात्मा की बनाई हुई है और जाति व्यवस्था समाज की। ये दोनों व्यवस्थाएँ ही श्रेष्ठ हैं। जाति धर्म और कुल धर्म अपने-अपने कर्म से पहचाना जाता है। पन्ना धाय, शबरी, विदुर और निषादराज शूद्र होकर भी श्रेष्ठता के उस मुकाम तक पहुँचे, जहाँ पहुँचना हर किसी के बस की बात नहीं होती। इसलिए शूद्र को कभी भी नीच नहीं माना जा सकता। दलित शब्द का शाब्दिक अर्थ है एक सोच से ऊपर न सोचने वाले को और दूसरों की सोच को अपनी सोच बनाने वाले या एक दल के अलावा दूसरे दल की न सोचने वाले को दलित कहा जा सकता है। इस हिसाब से अगर हम देखें तो इस संसार में ऐसी सोच रखने वालों की संख्या बहुतायत में है। इसी कारण से ही इस युग को कलयुग कहा जाता है। कलयुग का शाब्दिक अर्थ है अज्ञानता की दलदल।

जहाँ तक धर्मनिरपेक्ष की बात है तो आपेक्ष का मतलब होता है चाहना और निरपेक्ष का नहीं चाहना। जब हम धर्म से कुछ नहीं चाहेंगे तो धर्म हमसे भी कुछ नहीं चाहेगा। धर्म की ये चाहत हमें निःस्वार्थ बनाकर योगी बना देगी यानि धर्म को गहराई से समझा देगी। परमात्मा, आत्मा और धर्म ये तीनों निरपेक्ष ही रहते हैं। जब तक हम इनसे कुछ नहीं चाहते तो ये भी हमसे कुछ नहीं चाहते। जब परमात्मा से हम चाहने लगते हैं तो परमात्मा भी हमसे कुछ चाहता है। इसकी बजाए अगर हम परमात्मा को चाहने लगेंगे तब परमात्मा भी हमारे हो जाएंगे फिर हम जो भी कर्म करेंगे वो कर्म परमात्मा के ही कहलाएंगे।

एक बहुत बड़े विचारक एक दिन सुबह-सुबह गाँव में एक तेली की दुकान पर गए। तभी उन्होंने देखा कि तेली का बैल दुकान के पीछे कोल्हू को चला रहा है, कोई उसे चलाने वाला नहीं था, बैल खुद ही चल रहा था। तेली को पूछा, आश्चर्य की बात है, आदमी जब बैल को जबरदस्ती चलाता है तब चलता है, यह तो अपने आप ही चल रहा है। बड़ी खूबी की बात है। ऐसा बैल मैंने कभी नहीं देखा।

तेली ने हंसकर कहा आपने देखा नहीं कि बैल की दोनों आँखों पर पट्टी है। बैल को दिखाई नहीं पड़ रहा है कि कोई पीछे है या नहीं। वह मान रहा है कि कोई पीछे है।

लेकिन उन विचारक ने कहा कि कभी वह रुक कर भी तो जांच कर सकता है कि कोई पीछे है या नहीं। कभी जाँच नहीं करता रुक कर? बड़ा विश्वासी बैल है! बड़ा श्रद्धालु बैल है!

तेली बोला देखते नहीं, गले में घंटी बाँध रखी है। चलता रहता है, तो घंटी बजती रहती है, मुझे आवाज सुनाई पड़ती रहती है। जब खड़ा होता है, मैं फौरन जाकर फिर उसको हाँक देता हूँ।

विचारक ने कहा अरे, कभी ऐसा नहीं कर सकता बैल खड़ा हो जाए और गर्दन हिलाता रहे, ताकि घंटी बजती रहे और तुमको धोखा दे दे?

तेली ने कहा महाशय, आप जल्दी दुकान से जाइए, कहीं आपकी बातें बैल न सुन ले। ये बड़ी खतरनाक बातें हैं। आइंदा किसी और दुकान से तेल ले लेना, यहाँ मत आना। क्या भरोसा है, बैल सुन ले, तो सब मुश्किल हो जाए।

कुछ धर्मगुरु भी आज उस तेली की तरह ही हैं जो अज्ञानता की पट्टी बाँधकर अपने शिष्यों को कोल्हू का बैल ही बनाना चाह रहे हैं जबकि सतगुरु ऐसा नहीं करते। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने भी अर्जुन को योगी बनने के लिए कहा है न कि बैल।

बैल की प्रवृत्ति लकीर पर चलने की होती है जबकि शेर अपना नया रास्ता खुद बनाता है। योगी भी शेर की तरह है जो नए मार्ग का निर्माण करता है। इसलिए भगवान ने कहा अर्जुन तू योगी बन। अर्जुन तू योगी बनकर जब जान जाएगा तो पाप कर्म से विमुख होकर सत् कर्म में लग जाएगा। तू इस मोह के कारण युद्ध नहीं करना चाह रहा लेकिन तेरा स्वभाव तुझसे युद्ध करवा देगा क्योंकि क्षत्रीय का स्वभाव युद्ध करना होता है। इस तरह भागने से पाप कर्म से बंध रहा है। भगवान ने कहा है तपस्वियों से योगी श्रेष्ठ है, शास्त्रों के ज्ञानियों से भी योगी श्रेष्ठ है, सकाम कर्म करने वालों से भी योगी श्रेष्ठ है इसलिए अर्जुन तू योगी बन।

।। जय श्री राम ।।

रोशनलाल गोरखपुरिया
09312611111

एक करोड़ से अधिक लोगों की नौकरी गई

देश में कोरोना महामारी के चलते जहाँ एक तरफ लोगों की जान जा रही है तो वहीं दूसरी तरफ इसने आम लोगों को इस कदर झकझोर कर रख दिया है कि उसके सामने अब रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। कोरोना की दूसरी लहर के चलते काफी संख्या में लोग बेरोजगार हुए हैं। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट को मानें तो कोविड-19 की दूसरी लहर की वजह से करीब एक करोड़ से अधिक लोगों को नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक बेरोजगारी दर मई में 12 प्रतिशत रही जबकि अप्रैल में यह 8 प्रतिशत थी।

क्या है सीएमआई की रिपोर्ट?

सीएमआई की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल महामारी की शुरू होने से अब तक 97 प्रतिशत परिवारों की आय कम हुई है। सीएमआईई के सीईओ महेश व्यास के मुताबिक असंगठित क्षेत्र में तो सुधार हो रहा है लेकिन संगठित क्षेत्र या फॉर्मल सेक्टर को पटरी पर वापस आने में अभी और समय लगेगा। ऐसे में नौकरी गंवाने वाले लोगों को नई नौकरी ढूंढने में दिक्कत हो रही है। रिपोर्ट के अनुसार बेरोजगारी दर मई में 12 प्रतिशत रही जबकि अप्रैल में यह 8 प्रतिशत थी. वहीं, 30 मई को समाप्त हुए सप्ताह में बेरोजगारी दर 17.18 फीसदी रही जबकि दो मई को खत्म हुए सप्ताह में शहरी बेरोजगारी दर 10.8 प्रतिशत थी। शहरी बेरोजगारी दर में 15 दिन में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

तीन फीसदी परिवारों ने ही आय बढ़ने की बात कही :

सीएमआईई ने अप्रैल में 1.75 लाख परिवार का देशव्यापी सर्वे का काम पूरा किया। व्यास के मुताबिक, सर्वे में गत एक साल के दौरान आय सृजन को लेकर चिंताजनक स्थिति सामने आई है। सर्वे में शामिल परिवार में से केवल 3 प्रतिशत ने आय बढ़ने की बात कही, जबकि 55 फीसदी ने आमदनी कम होने की बात कही। वहीं, 42 फीसदी ने अपनी आय को पिछले साल के बराबर बताया। व्यास के अनुसार, यदि महंगाई दर को समायोजित किया जाए, हमारा अनुमान है कि देश में 97 प्रतिशत परिवार की आय महामारी के दौरान कम हुई है। गौरतलब है कि पिछले साल कोरोना वायरस महामारी रोकने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन लगाया था। लॉकडाउन के दौरान बेरोजगारी दर 23.5 प्रतिशत के रिकॉर्ड स्तर तक पहुँच गई थी।

शिव तांडव सम्राट सुरेश के. चोपड़ा 'कोरोना योद्धा' अवॉर्ड से सम्मानित

नई दिल्ली । कोरोना काल में आई दूसरी लहर ने लोगों के दिलों-दिमाग पर एक अजीब सी नकारात्मकता भर दी थी, जिसके कारण लोग इस महामारी को लेकर काफी भयभीत रहने लगे थे। लेकिन समाज के विभिन्न वर्गों के अनेक जागरूक गणमान्यजनों सहित सामाजिक संस्थाओं ने लोगों को नकारात्मकता भरे माहौल से निकालने के लिए अपने-अपने स्तर पर कई तरह के जागरूक कार्यक्रम चलाए गए। इसी कड़ी में फिल्म जगत के सुप्रसिद्ध अभिनेता, शिव तांडव सम्राट एवं वरिष्ठ समाजसेवी व अधिवक्ता श्री सुरेश के. चोपड़ा ने भी अपनी दमदार आवाज में कई रचनाओं को गाकर ओर उसे वीडियो द्वारा सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म के माध्यम से जनता तक पहुंचाते हुए लोगों में छाई उदासीनता व नकारात्मकता भरे माहौल को कम करने का हर संभव प्रयास किया, जिसके लिए उनके प्रशंसकों, शुभचिंतकों सहित नागरिकों ने भी जमकर प्रशंसा की कि मुश्किल की ऐसी घड़ी में अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए सुरेश चोपड़ा जी ने जिस तरह लोगों के दिलों में सकारात्मकता भरा माहौल लाने का नेक काम किया है, उसकी जितनी सराहना की जाए, कम होगी। इसी बात को देखते हुए देश के सम्मानित 'नेशनल अकाली दल' ने श्री सुरेश चोपड़ा जी को एक कर्मवीर योद्धा मानते हुए उन्हें 'कोरोना योद्धा' का सर्टिफिकेट देते हुए उनकी हौसलाअफजाई की और श्री चोपड़ा जी द्वारा जनहित में किए जा रहे कार्यों के लिए उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा भी की, जिसके लिए श्री चोपड़ा ने नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष स. परमजीत सिंह पम्मा व उनकी पूरी टीम का हृदय की गहराईयों से आभार व्यक्त किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर महिला मंडल ने दिया संदेश

नई दिल्ली । विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीमती मीना गुप्ता के नेतृत्व में महिला मंडल पंजाबी बाग द्वारा शनिवार 5 जून को भगवानदास नगर पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती मीना गुप्ता, मंडल की सदस्यों और स्थानीय नागरिकों ने पौधे लगाए। इतना ही नहीं संस्था की ओर से स्थानीय निवासियों को घर पर लगाने के लिए भी प्लांट्स दिए गए। इस मौके पर श्रीमती मीना गुप्ता ने संदेश दिया कि पर्यावरण शुद्ध होगा तभी जीवन स्वस्थ होगा। कोरोना संकट काल में ऑक्सीजन की महत्वता का पता सबको लग गया है। इसलिए सभी नागरिक ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं। याद रखें एक पेड़ सौ पुत्रों के समान होता है।

कैलाश सांकला द्वारा सेवा की राह पर एक और कदम

आयुर्वेदिक मोबाइल डिस्पेंसरी का शुभारंभ

पंजाबी बाग के पंडित दीनदयाल उपाध्याय सेवा बस्ती कैंप में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठक माननीय श्री वी. सतीश जी के कर-कमलों द्वारा पंजाबी बाग से निगम पार्षद दुर्बल दिव्यांग कल्याण सोसायटी के अध्यक्ष कैलाश सांकला द्वारा आयोजित आयुर्वेदिक मोबाइल डिस्पेंसरी का शुभारंभ किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ अधिकारी-समन्वयक भाजपा दिल्ली माननीय श्री दयानंद जी वरिष्ठ अधिकारी माननीय श्री मुकेश जी पुनियानी का सानिध्य प्राप्त हुआ। श्री कैलाश सांकला ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का सपना था कि पंक्ति के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति का उदय हो आज हमने पंडित जी के सपने को साकार करने का प्रयास किया है।

कुशल वैद्य एवं चिकित्सकों द्वारा कोरोना पीड़ित व्यक्तियों के लिए निःशुल्क दवाइयां, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, अन्य जरूरतमंद लोगों को इम्यूनिटी बूस्टर, काढ़ा, मास्क, हैंड सेनिटाइजर, बी.पी, शुगर की दवाईयां एवं भोजन वितरण किया गया। मोबाइल डिस्पेंसरी के माध्यम से प्रतिदिन प्रातः 9:00 से 11:00 बजे दवाइयां वितरित की जाएगी।

दुर्बल दिव्यांग कल्याण सोसायटी पिछले 27 वर्षों से दिव्यांग व्यक्तियों के पुनर्वास हेतु निरंतर प्रयासरत है। कोरोना संकटकाल पार्ट-1 में 301 दिनों तक जरूरतमंदों को हाइजेनिक भोजन एवं सूखा राशन, बच्चों के लिए मिल्क पाउडर, मास्क, हैंड सैनिटाइजर, काढ़ा वितरण किया गया जिसमें लगभग 9 लाख लोग लाभान्वित हुए।

कोरोना संकटकाल पार्ट-1 में 44 दिनों से प्रतिदिन जरूरतमंद लोगों को सूखा राशन, भोजन, मास्क, हैंड सैनिटाइजर इत्यादि वितरण किया जा रहा है।

कार्यक्रम में धनवंतरी अस्पताल के कुशल वैद्य, समाजसेवी सर्वश्री एस. पी.विग, विजय मानव, एस. पी शर्मा, स. जे.पी. सिंह, रमेश कुमार यादव, सुनील शर्मा, ओ. पी. सांकला, महेंद्र तवर, मादीपुर विधानसभा बीएलए-1 गुलशन खरबंदा, मंडल अध्यक्ष कमल तंवर, महामंत्री एडवोकेट हर्षवाला, मंत्री राज साहनी, सेवा बस्ती के प्रधान संजय गुप्ता, लक्ष्मी कैंप प्रधान अंजू देवी, कुमारी मोनिका, युवा मोर्चा अध्यक्ष भरत सांवरिया, उपाध्यक्ष मुकेश किराड, किसान मोर्चा अध्यक्ष श्री ताराचंद चौहान, श्री नरपत सिंह टीटू, एस सी मोर्चा अध्यक्ष श्री योगराज, पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष श्री मनोज जायसवाल, राजेश हरसोरा, सुखदेव सिंह, वेद प्रकाश अग्रवाल, मोर्चा तथा प्रकोष्ठओ के पदाधिकारीगण एवं देवतुल्य कार्यकर्त्ता बंधु साथ रहे।

अधिक जानकारी के लिए लॉगइन करें-

www.durbal divyang kalyan society.com

www.darcl.com

CJ Darcl Logistics

- INDIA'S MOST RELIABLE & TRUSTED LOGISTICS SERVICE PROVIDER
- END TO END SERVICE PROVIDER
- PAN INDIA NETWORK OF 200 BRANCHES

OFFER THE FOLLOWING SERVICES
- Container movement to Chittagong/Pangaon Port Dhaka, Bangladesh
- Break Bulk Cargo to Mongla I Khulna I Narayanganj I Ashuganj Bangladesh (near Agartala City, India)

OUR CONTAINER STRENGTH
20' Container : 300 nos.
40' Container : 100 nos.
Total : 400 nos.

WE HAVE 40 NOS. BARGE
DWT : 1000 MT to 3000 MT

VESSEL STRENGTH

M.V. MARINTRUST - 1	Capacity : 200 TEUS	DWT : 3500 MT
M.V. MARINTRUST - 3	Capacity : 108 TEUS	DWT : 2500 MT
M.V. MARINTRUST - 4	Capacity : 123 TEUS/ODC	DWT : 1440 MT
M.V. MARINTRUST - 5	capacity : 123 TEUS/ODC	DWT : 1440 MT

SERVICES PROVIDED BY US
- Road transportation to all over India and Nepal, Bhutan and Bangladesh
- Freight movement & handling
- Full truck movement / Multimodal / In Plant Logistics / Handling services
- Project logistics & ODC movement
- Overdimensional Consignment / Turnkey Solutions / Heavy Lift Consignment / Route Surveys
- Freight forwarding - Sea / River
- Custom clearance - Sea / Road (our own CHA licence / team)
- Our own container rake cargo handling at KoPT
- Indian railway rake cargo handling at Dankuni (Kolkata)

EVERY SMILE DELIVERED

Zonal Office Delhi
71/4, 1st Floor, Shivaji Marg
Najafgarh Road
New Delhi-110015
Phone : 011-47562591/7591/25411591

Corporate Office
Plot No. 55, Sector 44
Institutional Area
Gurugram-122003 (Haryana)
Phone : 09015202121/25/26
Fax: 0124-40344162
Email: co@darcl.com/ro@darcl.com

Contact persons for Shipping & Exim
Mohammed Moinuddin
Mob.: 09331212000
Email: mohammed.moinuddin@darcl.com
Sourangshu Pyne
Mob.: 09331059791
Email: sourangshu.pyne@darcl.com

Contact persons for total end to end logistics
Rahul Amin
Mob.: 09339111330
Email: shipping.kol@m.darcl.com
Gaurav Goyal
Mob.: 09313559001, 9650257601
Email: gouray.goyal@darcl.com

Plot No. 55, Sector 44, Institutional Area, Gurugram-122003 (Haryana) Phone: 09015202121 / 25 / 26 I Fax:0124-40344162 E-mail: co@darcl.com/ro@darcl.com

कोरोना काल में अनलॉक के दौरान फैक्टरियों में चैकिंग कहाँ तक उचित

महेन्द्र गुप्ता
(समाजसेवी)

जिस तरह से कोरोना से लड़ने के बाद दिल्ली सरकार ने फैक्ट्रियों में कामकाज पूरी तरह से खोला है और कंस्ट्रक्शन अलाउड की है, वाकई काबिले तारीफ है। फैक्ट्री में काम पहले भी सीमित तरीके से अलाउड था अगर वर्कर फैक्ट्री के अंदर ही रहते हैं। बहुत ही सराहनीय कदम है और उम्मीद है धीरे-धीरे जो काम धंधे एक साथ रुक गए थे पटरी पर आ जाएंगे। केजरीवाल जी के बारे में कहा जाता है भ्रष्टाचार का एक ही काल-केजरीवाल। परंतु जब फैक्ट्री खोलने का ऑर्डर देखा तो सभी छोटी फैक्ट्री वाले डर गए। उसमें जिस तरह की बंदिशें लगाई गई हैं, और एक तरह से फ्लाइंग स्क्वायड के द्वारा चेकिंग की बात की गई है, इससे फैक्ट्री वालों ने समझा कि बेहतर है अभी फैक्ट्री न चलाएं। क्योंकि यह तो स्पष्ट है कि कोई भी यह नहीं चाहेगा कि मालिक खुद बीमार हो या उसके वर्कर बीमार हो, मोटे मोटे बिल अस्पतालों के दिए जाएं या मौत के मुंह में चले जाएं। सभी व्यक्ति पूरी तरह से सैनिटाइज करके, थर्मल स्क्रीनिंग करके, हैंड वॉश कराके, मास्क के साथ फैक्ट्री को चलाना चाहते हैं। जिस तरह से आदेश में कहा गया है कि सरकारी अधिकारियों की टीम फैक्ट्री में आएगी और वह चेकिंग करेगी। लगता है यह तरीका अनुचित है। होना यह चाहिए था कि सभी इंडस्ट्रीयल एरियास में एसोसिएशन्स बनी हुई हैं। एसोसिएशन के ऑफिस में अधिकारी आएं और कुछ-कुछ फैक्ट्री से दो-दो वर्कर बुलाकर टेस्टिंग करें। ताकि पता लगे किसी तरह की बीमारी यह कोरोना की फैल तो नहीं रही है। हालांकि पहले ही 75 प्रतिशत वर्कर अपने गांव जा चुके हैं, क्योंकि इस बार आवागमन के साधन कोई बंद नहीं हुए थे। धीरे-धीरे करके वर्कर अपने गांव चले गए और शायद इसी फीडबैक के आधार पर दिल्ली सरकार ने फैक्ट्रीज और कंस्ट्रक्शन के काम को खोलने की परमिशन दे दी। छोटी फैक्ट्री वाले अभी काम शुरू करने के लिए तैयार नहीं हैं। क्योंकि हर समय टीम का डर उनके दिमाग में रहेगा। इसके लिए केजरीवाल जी को अपने नाम के हिसाब से किसी तरह की चेकिंग से छोटी-छोटी फैक्ट्री वालों को मुक्ति देनी चाहिए। और इस बात को सार्थक करना चाहिए कि भ्रष्टाचार का एक ही काल -केजरीवाल।

अरुण नन्दराजोग
वरिष्ठ समाजसेवी

मेरे विचार से तो ये तीन-तीन विभागों द्वारा फैक्टरीज में घुसकर चैकिंग करना न्यायसंगत नहीं है, इससे उत्पादकों व व्यापारियों को काफी डिस्टर्बेंस हो रहा है और उत्पादन कार्य में रुकावटें पैदा हो रही हैं। एक तो सभी व्यापारियों का काम धंधा पिछले दो वर्षों से मंदा चल रहा है बल्कि यूं कहिए कि लगभग बंद है। अब फैक्टरियां खोलने की इजाजत दे दी गई तो एमसीडी, दिल्ली पुलिस और एसडीएम कार्यालय के अधिकारियों ने आए दिन अपनी टीम लेकर चैकिंग शुरू कर दी, चलो ठीक है लेकिन फैक्टरी मालिकों के ऊपर ये बोझा डाल दिया कि जिस फैक्टरी में जितने भी वर्कर बगैर मास्क या सोशल डिस्टेंसिंग के बगैर पाए गए उन पर लगा जुर्माना फैक्टरी मालिक देगा तो यह अन्याय नहीं तो और क्या है और ऐसा क्यों है? ये सरासर उत्पादकों पर जुल्म है, इसके साथ ही दुकानों को न खोलने का ऑर्डर है अब जब दुकानें नहीं खुलेंगी तो उत्पादक अपना तैयार माल कहाँ बचेंगे। ऐसा लग रहा है कि सरकार कारखाने वालों पर ही छुरी चलाना चाहते हैं। एक बात समझ नहीं आई कि केजरीवाल के वर्कर्स आराम से बगैर मास्क घूमते हैं इन्हें कोई नहीं पकड़ता लेकिन फैक्टरी वर्कर्स की वजह से मालिकों पर जुर्माने लगाए जा रहे हैं आखिर क्यों? मैं दिल्ली सरकार से पूछना चाहता हूँ। वास्तव में सभी व्यापारी पिछले दो वर्षों से परेशान हैं, कोरोना के कारण लॉकडाउन होने से सभी के कारोबार बंद हैं। अब यदि फैक्टरियां खोल दी गई हैं तो अन्य तरीकों से उत्पादकों को तंग किया जा रहा है। ये सरासर अनुचित है। इसके बजाए वॉर्निंग देकर छोड़ा जाता और फिर भी यदि कोई नियमों का पालन नहीं करता तो तुरन्त उस पर जुर्माना लगाना उचित होता लेकिन जुर्माना फैक्टरी मालिक पर नहीं बल्कि उसी वर्कर पर लगाया जाए जिसने नियमों का उल्लंघन किया है।

अशोक कौशिक
(समाजसेवी)

कोरोना काल को आज लगभग एक साल हो गया है, इस बीच में कभी लॉकडाउन, कभी अनलॉक की प्रक्रिया चल ही रही है, फैक्टरियों में कभी मजदूर हैं कभी नहीं हैं, जिस वजह से फैक्टरियां चलाना तो दूर की बात है, फैक्टरियों में ताले ही लगे हुए हैं, अनलॉक में अगर फैक्टरी मालिक हिम्मत करके फैक्टरी खोलता भी है तो प्रशासन फैक्टरियों में चैकिंग करने आ जाते हैं, कितने ही फैक्टरी मालिक इस कोरोना काल में अपनी जान गवां चुके हैं उनके बच्चे भूखे मर रहे हैं, लेकिन चैकिंग करने वालों को इन सब से कुछ भी लेना देना नही है उन्हें तो बस चैकिंग करनी है और अपनी जेब भरनी है। सरकार को चाहिए कि अनलॉक में फैक्टरी मालिकों को फैक्टरी चलाने की आजादी दे देनी चाहिए बिना चैकिंग के, जिससे रिश्वतखोरी भी बन्द होगी और फैक्टरी मालिकों को भी राहत मिलेगी।

भगवानदास नगर पार्क में पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण

रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन भगवानदास नगर के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट डॉ. रामबाबू सिंगल व श्री विजय गुप्ता तथा अन्य आरडब्ल्यूए मेम्बर्स द्वारा पौधारोपण किया गया।

सड़क किनारे पर खड़ी कारों से टायर चोरी

रोड नम्बर 43 बुद्ध बाजार रोड पर टायर चोरों द्वारा कारों के टायर चोरी किये जा रहे हैं। कारों में से बैटरियाँ भी चोरी की जा रही हैं। इस तरह की घटनाओं में पिछले कुछ दिनों से अचानक से तेजी आ गयी है। फैक्ट्रियाँ बन्द हैं, बेरोजगारी बढ़ गयी है, व्यापार ठप्प पड़ा हुआ है, लोग भूखे मर रहे हैं। (शायद यह लॉकडाउन का साइड इफेक्ट है)।

व्यवसाय या कैरियर को नए शिखर तक पहुँचाएं

वास्तु विशेषज्ञ
नरेश सिंघल
M : 7503 555 555

स्वस्थ रहने के लिए घर ही नहीं, ऑफिस में भी सकारात्मक ऊर्जा की नितांत आवश्यकता है। देखने में आता है कि सकारात्मक ऊर्जा के अभाव में ऑफिस का कोई न कोई कर्मचारी या फिर खुद बॉस आए दिन बीमार रहते हैं। इसका सीधा असर पड़ता है ऑफिस के कार्य पर। कार्य अपेक्षा के अनुरूप न होने का तनाव ऑफिस में तो रहता ही है, अक्सर इस तनाव को हम अपने साथ घर भी ले आते हैं।

अगर आप चाहते हैं कि आपके परिवार के साथ-साथ आपका ऑफिस भी हेल्दी रहे, तो फेंगशुई के इन उपायों को अवश्य अमल में लाएं। ये उपाय न सिर्फ आपके ऑफिस को हेल्दी रखेंगे, बल्कि कार्य क्षमता बढ़ाकर आपके व्यवसाय या कैरियर को नए शिखर तक पहुँचाने में भी मददगार होंगे।

तो आइए करते हैं शुरूआत:-

❑ घर की तरह ऑफिस में भी हम जाने-अनजाने बहुत सी अनावश्यक चीजों को संजोए रहते हैं, जिनका अब कोई उपयोग नहीं रह गया है। ऐसी चीजें ची यानि सकारात्मरक ऊर्जा को बाधित करती हैं। बेहतर है कि इन अनुपयोगी वस्तुओं को हम अपने ऑफिस से हटाकर गोदाम या अन्यंत्र किसी स्थापन पर शिफ्ट कर दें।

❑ बात ऑफिस की कर रहे हैं, तो पैसे का जिक्र भला कैसे न होगा। पैसे यानि लक्ष्मी को आमंत्रित करने की दिशा है दक्षिण-पूर्व। इस दिशा का प्रभाव बढ़ाने के लिए आप यहाँ सिक्कों से भरा लाल रंग का एक बाऊल रखें।

❑ अपने बैठने के स्थान के ठीक सामने शीशे न लगवाएं। अगर आपको अपने पीछे देखने की आवश्यकता नहीं है तो फिर शीशों को अपनी ऑफिस चेयर के सामने नजरअंदाज ही करें। किंतु अगर आपको पीठ दरवाजे की ओर करके बैठने की बाध्यता हो, तब आप अपने सामने शीशे लगवा सकते हैं।

❑ ऑफिस में आपका बैठने का स्थान ऐसा हो कि आपका मुंह दरवाजे की ओर होना चाहिए। किंतु अपनी चेयर को आप इस तरह लगाएं कि आपकी नजर दरवाजे की बाहर न रहे। बाथरूम, टॉयलेट, सीढ़ियों के सामने भी अपने बैठने का स्थान न बनाएं।

❑ ऑफिस की साज-सज्जा के लिए आप उन चीजों को इस्तेमाल करें, जो आपको खुशी प्रदान करती हों। कोई खूबसूरत पेंटिंग या कोई अन्य आर्ट वर्क।

फेंगशुई प्लान्ट्स जैसे बैम्बूर आदि ऑफिस में लगाने से स्वास्थ्य व समृद्धि दोनों ही हासिल होते हैं। फेंगशुई विशेषज्ञों के परामर्श पर इन पौधों को ऑफिस में उचित स्थान पर स्थापित करना चाहिए। पौधों की तरह फाउंटेन भी स्वास्थ्य व समृद्धि के सूचक हैं। अगर फाउंटेन लगाना संभव न हो तो आप उनके स्थान पर फिश एक्वेरियम भी लगा सकते हैं या फिर बहते पानी की कोई पेंटिंग अथवा फोटो भी लगा सकते हैं।

12वीं कक्षा की परीक्षा रद्द करना एक कठिन फैसला

पंकज अरोड़ा
(कोषाध्यक्ष : पंजाबी बाग क्लब)

सीबीएसई की 12वीं कक्षा की परीक्षा नहीं होने का निर्णय लेकर मांनीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने छात्रों के पक्ष में एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। संक्रमण से केवल छात्रा और शिक्षक ही नहीं उनका पूरा परिवार प्रभावित हो सकता है और उन सब के भविष्य पर एक गहरा घाव छोड़ सकता है। केंद्र की पहल को देखते हुए कई राज्यों ने भी 12वीं की परीक्षा न करवाने का अपना निर्णय घोषित कर दिया। गौर देने वाली बात यह है की ऐसा नहीं की केवक उन राज्यों ने केंद्र का समर्थन दिया जहां भाजपा की सरकार है किंतु उन राज्यों ने भी यही पक्ष लिया जहां विपक्ष की सरकार है! इससे पता लगता है कि यह कदम सचमुच कितना सराहनीय है।

केवल कुछ प्रतिभाशाली छात्र पूर्ण वर्ष वार्षिक परीक्षा और फिर उसके बाद उसके परिणाम की उत्सुकता से प्रतीक्षा करते हैं। उनके अंदर प्रतियोगिता की भावना आती है, वे अपना मूल्यांकन कर पाते हैं, अपने मानसिक स्तर को जाँच पाते हैं और उसके अनुरूप भविष्य के लिए तैयारी करने में उन्हें सहायता मिलती है। विभिन्न प्रतियोगिताओं में यह परिणाम उनके लिए सहायक सिद्ध होते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए वह पूर्ण वर्ष कठोर परिश्रम करते हैं। इस वर्ष भी उन्होंने ऐसा ही किया और अब जबकि 12वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा को रद्द कर दिया गया है तो उन्हें ऐसा लग रहा है कि उनकी सारी मेहनत पर पानी फिर गया है। कुछ छात्रों की सोच होती है कि 12वीं में केवल वार्षिक परीक्षा में कठोर परिश्रम करना ही पर्याप्त है, किंतु अधिकांश छात्रों के लिए यह केवल एक सर्टिफिकेट मात्र है! इस दृष्टि से पूर्ण वर्ष तो वे लापरवाही करते हैं लेकिन वार्षिक परीक्षा में परिश्रम करके अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हो जाते हैं। उनके लिए भी यह निर्णय काफी नकारात्मक व निराशाजनक रहा है। मूल्यांकन किस आधार पर होगा? किन अंको को आधार बनाकर उनका नतीजा घोषित होगा? यह उनके लिए चिंता व मानसिक उलझन का विषय है।

इस वैश्विक महामारी के कारण बिना परीक्षा के पास किए जाने पर बहुत ही विपरीत मानसिक व शारीरिक प्रभाव पड़ रहा है। दिसंबर माह से ही असमंजस था कि परीक्षा होगी या नहीं?

जहाँ बच्चों में निराशा, चिंता, उत्साहहीनता, गुस्सा और आक्रोश है वहीं उनके अभिभावक भी इसी मानसिक दशा का शिकार हो रहे हैं। अभिभावकों की इस मानसिक दशा को बच्चों को भी तानों-उलाहनों के रूप में झेलना पड़ रहा है। वास्तव में 12वीं कक्षा की परीक्षा रद्द होने का मिला-जुला प्रभाव पड़ा है। विद्यालय की दृष्टि से यह परीक्षा उन छात्रों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती है जो अखिल भारतीय स्तर पर एक मिसाल कायम करना चाहते हैं, निश्चित ही उनकी दृष्टि से उनकी सारी उम्मीदों पर पानी फिर गया है। महात्वाकांक्षी छात्रों की ऊंची उड़ान में यदि यह बाधक है तो छात्रों का एक वर्ग ऐसा भी है जो परीक्षा न होने से अत्यधिक प्रसन्न एवं उत्साहित है।

यदि 12वीं के छात्रों के अलावा अन्य छात्रों की दृष्टि से सोचें तो उन्हें लग रहा है कि जब परीक्षा होनी ही नहीं है तो हम मेहनत क्यों करें? बच्चों में इस तरह की नकारात्मक प्रवृत्ति का जन्म लेना बेहद चिंताजनक है। यह सोच, यह उत्साह हीनता, यह नकारात्मक दृष्टिकोण उन्हें न केवल लापरवाह बनाएगा बल्कि संघर्ष से भी विमुख करेगा। परीक्षा के प्रति घबराहट और भय को और ज्यादा बढ़ाएगा।

निश्चित ही परीक्षा की महत्ता को नकारा नहीं जा सकता लेकिन सत्य की दृष्टि से एक पहलू यह भी है कि परिस्थितियों के अनुरूप निर्णय लेना कभी-कभी अनिवार्य हो जाता है। वर्तमान विकट परिस्थितियों में परीक्षा को टाले जाना ही उचित प्रतीत होता है। वास्तव में जीवन में तो हर पल कोई न कोई परीक्षा देनी ही होती है। वर्तमान समय भी नई पौध को अपनी कसौटी पर परख रहा है इस पड़ाव को पार कर उद्देश्य तक पहुँचने की जिद जिसमें होगी वही स्वयं को साबित कर पाएगा।

पंजाबी बाग वार्ड क्षेत्र की सभी कॉलोनियां सोडियम हायपोक्लोराइड केमिकल से सेनिटाइज्ड

पंजाबी बाग वार्ड क्षेत्र से लोकप्रिय निगम पार्षद श्री कैलाश सांकला जी द्वारा कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु पंजाबी बाग वार्ड की सभी कॉलोनियों में तथा जहां पब्लिक का आना जाना रहता है जैसे दूध की डेयरी, सब्जी मंडी, अस्पतालों, डिस्पेंसरी, वैक्सीनेशन सेंटर, दवाई की दुकानें, राशन की दुकानें, बैंकों, एटीएम, पुलिस थाना, पुलिस चौकी, मंदिरों, गुरुद्वारे को प्रतिदिन सैनिटाइजेशन का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। उन सभी कॉलोनियों में जहां कोरोना पेशेंट हैं उन कॉलोनियों में भी घरों पर निगम के स्वास्थ्य विभाग के योद्धाओं द्वारा सैनिटाइजेशन का कार्य प्रतिदिन निरंतर सुचारू रूप से किया जा रहा है।

बच्चों को स्वावलम्बी बनाने में मददगार है सरल ज्ञान स्कूल

सरल ज्ञान स्कूल नव फाउंडेशन ट्रस्ट की एक इकाई है। डॉ. रवि गुप्ता, सरल डायग्नोस्टिक पीतमपुरा डायरेक्टर नव फाउंडेशन और श्रीमती निशी खुराना समाजसेविका डायरेक्टर नव फाउंडेशन द्वारा चलाया जाता है। डॉ. गुप्ता ने इसकी स्थापना वर्ष 2008 में रोहिणी के सेक्टर 23 में एक झोपड़ी में की थी, यह उन बच्चों के लिए शुरू किया जो आर्थिक अभाव के कारण कभी स्कूल नहीं जा पाए। इस स्कूल का मुख्य उद्देश्य है कि Under Privileged बच्चे भी शिक्षा प्राप्त करें और अपने विकास के अवसरों से वंचित न रहें। वोकोशनल ट्रेनिंग, बच्चों को स्वावलम्बी बनाने के लिए भी यह स्कूल प्रदान करता है। अब तक करीब 800 बच्चे इस स्कूल से लाभांवित हुए और कुछ Higher Education के लिए पढ़ाई पूरी कर रहे हैं। वर्ष 2020 में कोरोना महामारी ने इन बच्चों के परिवार वालों की मुश्किलों को और भी बढ़ा दिया। यह सभी आर्थिक तंगी से पहले ही जूझ रहे थे अब और भी दिक्कत बढ़ गई। कई परिवार गांव चले गए थे। सरल ज्ञान का इस समय भी यही प्रयत्न रहा कि बच्चों की पढ़ाई पर कोरोन का कम से कम असर रहे इसीलिए Online Classes भी कई बच्चों के लिए चुनौतीपूर्ण था क्योंकि कई के पास Android Phone नहीं थे तो कइयों के पास Mobile Recharge के पैसे नहीं थे।

इन सब मुश्किलों का सामना सभी बच्चों ने अपने परिवार और दोस्तों की मदद से बहुत अच्छी तरह किया और स्कूल को भी प्रोत्साहन मिला कि Online Classes जारी रखें। बच्चे जो गांव में भी हैं वो भी इन Classes का लाभ उठा रहे हैं। वर्ष 2021 में जब यह परिवार महामारी से उबर रहे थे तो कोरोना की दूसरी लहर ने इनकी व्यथा बहुत ज्यादा बढ़ा दी। लगभग सभी परिवार वालों की कमाई के साधन बंद हो गए और यह आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं। परिवार का पेट पालना, महामारी का सामना करना आदि के चलते बच्चों की पढ़ाई के ऊपर असर दिखाई देने लगा। ऐसे समय में नव फाउंडेशन ने परिवार की सहायता करने का कदम उठाया। बच्चों के परिवार को One Time आर्थिक सहायता दी गई और सभी परिवार वालों ने उसे सराहा और कहा कि उनके पास दवा-दारू के लिए भी पैसे नहीं थे। इस सहायता से उन्हें कुछ सांत्वना मिली और सभी ने अपनी कृतज्ञता का इजहार किया।

ब्रह्माण्ड के प्रथम शब्द ॐ की उत्पत्ति, अर्थ, महत्त्व, लाभ व रहस्य

हिंदू धर्म में ऊँ० शब्द को सबसे महत्त्वपूर्ण शब्द की संज्ञा दी गयी है जो सभी मंत्रों व शब्दों से सबसे ऊपर व सर्वोच्च है। ऊँ० अपने आप में एक पूर्ण मंत्र है जिसका उच्चारण हर धार्मिक कार्य व यज्ञ से पहले किया जाता है। यहाँ तक कि जब बच्चे का उपनयन संस्कार किया जाता हैं अर्थात् जब उसकी शिक्षा प्रारंभ की जाती हैं तब सर्वप्रथम उससे ऊँ० मंत्र का ही जाप करवाया जाता है। ऊँ० एक ऐसा शब्द हैं जो संपूर्ण ब्रह्मांड में गुंजायमान है और एक गूंगा व्यक्ति भी इसका उच्चारण कर सकता है।

ॐ ब्रह्मांड का प्रथम शब्द या ॐ की उत्पत्ति कहाँ से हुई :

हिंदू धर्म के अनुसार, ऊँ० को ब्रह्मांड का प्रणव शब्द कहा जाता है जिसके बाद ब्रह्मांड की उत्पत्ति हुई थी। यहाँ प्रणय से अर्थ सर्वप्रथम से है। ब्रह्मांड लगातार फैलाव कर रहा है व वहां सब गतिमान है चाहे वह सूर्य तारा हो या आकाशगंगाएं। इस ब्रह्मांड में लाखों तारे व आकाशगंगाएं है जो हमेशा गति करते रहते है और फैलते रहते है व अंत में ब्लैक होल में समा जाते हैं।

ब्रह्मांड में जो ध्वनि हमेशा गुंजायमान रहती हैं उसी ध्वनि को ही ऊँ० कहा गया है। यह बात कई वैज्ञानिक शोधों से सत्य भी प्रमाणित हो चुकी हैं। वर्षो पहले हमारे ऋषि मुनियों ने इस शब्द की व्याख्या कर दी थी और बता दिया था कि इसका संबंध सीधे ब्रह्मांड अर्थात् ईश्वर से है जो सर्वत्र विद्यमान है।

ओम्(ॐ) का अर्थ क्या होता है या ॐ का सही उच्चारण :

ऊँ० या ओम् शब्द तीन अक्षरों के मेल से बना है जो स्वयं ब्रह्मा, विष्णु व महादेव का प्रतिनिधित्त्व करते हैं। इसका सर्वप्रथम अक्षर 'अ' है जो मुख से निकलने वाला प्रथम अक्षर है व इसके उच्चारण से नाभि पर बल पड़ता है जो हमारी रचना को दर्शाता है। जब हम गर्भ में होते हैं व जन्म लेते हैं तब हम अपनी माँ के द्वारा गर्भनाल से जुड़े होते हैं जो हमारी नाभि से निकलती है। हम अपना खाना-पीना सब इसी से प्राप्त करते हैं। जन्म लेने के बाद चिकित्सक इसे काट देते हैं अर्थात् यह स्वयं ब्रह्म का प्रतीक है जो हमारे रचियता हैं।

ऊँ० शब्द का दूसरा अक्षर 'उ' होता है जो हमारे हृदय से निकलता है। जो हमारे जीवन यापन का प्रतिनिधित्त्व करता है अर्थात् यह विश्व के पालनहार भगवान विष्णु से संबंध रखता है।

ऊँ० शब्द का अंतिम शब्द 'म' होता है जो हमारे कंठ से निकलता है व वहां कम्पन्न उत्पन्न करता हैं। कंठ भगवान शिव से संबंध रखता है जो हमारे जीवन चक्र के समाप्ति का प्रतीक हैं।

इस तरह से ऊँ० का उच्चारण करने से हम ब्रह्मा, विष्णु व महेश का आह्वान करते हैं। इसी कारण इस शब्द को हमारे धर्म में सबसे ज्यादा महत्ता दी गयी है व हर मंत्र से पूर्व इसका उच्चारण करने को कहा गया है।

ॐ शब्द की विशेषता :

ऊँ० एक ऐसा शब्द हैं जिसका उच्चारण करने से हम अपने आसपास सकारात्मक ऊर्जा का संचार देख सकते हैं। यदि इसका उच्चारण किसी शांत स्थल पर किया जाये तो हम अपने अंदर किसी अद्भुत ऊर्जा का संचार देख सकते हैं।

योग में भी इसको बहुत ज्यादा महत्त्व दिया गया है क्योंकि ऊँ० शब्द के उच्चारण के बिना योग अधूरा माना जाता है। पुराने समय में भी ऋषि मुनि जब पर्वतों पर जाकर तपस्या करते थे तो वे इस शब्द का उच्चारण करके स्वयं को ब्रह्मांड से जोड़ने का यत्न करते थे।

इस मंत्र के लगातार जाप से व एकाग्र मन से हम सीधे ब्रह्मांड से जुड़ सकते हैं क्योंकि यही ब्रह्मांड की ध्वनि हैं। ऊँ० एक ऐसा शब्द है जिसकी कोई उत्पत्ति या अंत नही हैं व बाकि हर शब्द या अक्षर, इसी ऊँ० शब्द के अक्षरों के सम्मलेन से बनते हैं।

ॐ शब्द का अन्य धर्मों में महत्त्व :

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि अन्य धर्मों ने भी ऊँ० को अपने अंदर समाहित किया है बस कुछ अलग रूप में। इसाई धर्म के लोग आमेन बोलते हैं जो इसी ऊँ० शब्द का प्रतीक है, इसी तरह इस्लाम में आमीन शब्द का प्रयोग किया गया है। सिख धर्म में ओंकार शब्द का उल्लेख है जो ऊँ० के गुणों का वर्णन करता है। इसी प्रकार अन्य धर्मों जैन, बौद्ध इत्यादि में भी इसे अलग-अलग रूपों में सम्मिलित किया गया है।

अंग्रेजी में ओमनी शब्द का उल्लेख है जिसका अर्थ सर्वत्र विद्यमान होता है व इसका संबंध भी ऊँ० से ही है। ऊँ० शब्द किसी धर्म से संबंध न रखकर ब्रह्मांड की उत्पत्ति व विनाश को दर्शाता हैं, इसलिये हिंदू धर्म में इसे सर्वोपरी स्थान दिया गया है। यह सब धर्मों से परे है जो सबका प्रतिनिधित्त्व करता है।

ॐ बोलने के फायदे–

मानसिक शांति : यदि आप तनाव से ग्रस्त हैं या अवसाद में हैं तो ऊँ० इसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके लिए आप एकाग्र मन से कुछ देर आँखे बंद करके ऊँ० मंत्र का जाप करें जिससे आपके आसपास सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा व आपका मन शांत होगा। इससे मनुष्य को मानसिक शांति की अनुभूति होती है व उसका मानसिक विकास होता है।

ॐ जाप के फायदे –

सुचारू रक्तसंचार : यह आपके शरीर में रक्त के सुचारू प्रवाह में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसका निरंतर व प्रतिदिन जाप करने से आपके शरीर में रक्त संचार सुचारू रूप से बना रहता है जिससे आपको कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं।

ॐ उच्चारण के फायदे –

अनिद्रा की समस्या में : यदि आप नींद न आने या कम नींद आने की समस्या से परेशान हैं तो इसमें भी यह मंत्र आपकी मदद कर सकता हैं। रात को सोते समय आप इस मंत्र का शांत मन से उच्चारण करें व इसे 10 मिनट तक करें। इससे आपको नींद तो आएगी ही बल्कि आप नकारात्मक स्वप्नों से भी दूर रहेंगे।

ॐ बोलने के फायदे –

मजबूत चेतना : जब हम ऊँ० मंत्र का जाप करते हैं तो इससे हमारा मन मस्तिष्क एकाग्र होता हैं व हमारी बुद्धि तेज बनती है। इसका निरंतर जाप करते रहने से आपकी याददाश्त में बढ़ोत्तरी होती हैं व आपकी चेतना मजबूत होती है।

ॐ जाप के लाभ –

हृदय व फेफड़ों की मजबूती : इस मंत्र में आप जिन अक्षरों का उच्चारण करते हैं वे हमारे कंठ, हृदय व नाभि में कम्पन्न करते हैं जो हमारे शरीर के अंगों को स्वस्थ रखते हैं। इससे आपके फेफड़े पहले की अपेक्षा में मजबूत बनते हैं व आपका हृदय स्वस्थ रहता है।

ॐ जप के स्वास्थ्य लाभ –

स्वस्थ पाचन तंत्र : इसका नियमित जाप करने से आपका पाचन तंत्र भी सुचारू रूप से काम करता हैं व आपकी पाचन शक्ति बढ़ती है। आप अपच, कब्ज, दस्त इत्यादि की समस्या से बचे रहते हैं।

यह कुछ कारण थे जिस कारण ऊँ० मंत्र को हिंदू धर्म में सबसे ऊँचा स्थान दिया गया हैं व इसका उच्चारण करने को कहा गया है। आप भी दिन में कम से कम 10 से 20 मिनट इस मंत्र का जाप करना न भूलें। यह न केवल आपको शारीरिक अपितु मानसिक व भावनात्मक रूप से भी मजबूती प्रदान करेगा।

अत्यधिक शक्तिशाली राजा था सहस्त्रबाहु

त्रेता युग में रावण से भी एक शक्तिशाली राजा था जिसका नाम था सहस्त्रबाहु। उसकी राजधानी महिष्मति नगरी थी जो नर्मदा नदी के तट पर बसी थी। वर्तमान में यह स्थान मध्य प्रदेश राज्य के नर्मदा नदी के पास महेश्वर नगर हैं जहाँ सहस्त्रबाहु को समर्पित मंदिर भी स्थित है।

अपने समय में सहस्त्रबाहु अत्यधिक शक्तिशाली तथा पराक्रमी राजा था जिसनें तीनों लोकों के राजा रावण को भी पराजित कर दिया था और उसे अपने कारावास में बंदी बनाकर रखा था किंतु भगवान परशुराम के द्वारा उसका अपने समूचे कुल समेत नाश भी हो गया था।

सहस्त्रबाहु राजा कृतवीर्य के पुत्र थे। उनका वास्तविक नाम अर्जुन था किंतु समय के साथ-साथ उनके कई नाम पड़े। अपने पिता के बाद सहस्त्रबाहु महिष्मति नगरी के परम प्रतापी राजा बने। राजा बनने के पश्चात् उनका पृथ्वी के कई महान योद्धाओं से युद्ध हुआ था लेकिन उनकी एक गलती उनके संपूर्ण वंश के नाश का कारण बनी थी।

राजा सहस्त्रबाहु के नाम :

चूँकि हमने आपको बताया कि उनके बचपन का तथा वास्तविक नाम अर्जुन था लेकिन इसी के साथ उन्हें कई अन्य नामों से भी बुलाया जाता था। आइये जानते हैं उनके विभिन्न नाम व उनका अर्थ।

कार्तवीर्य अर्जुन : यह नाम उन्हें अपने पिता के कारण मिला। उनके पिता का नाम कृतवीर्य था जिससे उन्हें कार्तवीर्य बुलाया जाने लगा।

सहस्त्रबाहु/ सहस्त्रार्जुन/ सहस्त्रार्जुन कार्तवीर्य : सहस्त्र का अर्थ होता है एक हजार तथा बाहु का अर्थ होता है भुजाएं अर्थात् जिसकी एक हजार भुजाएं हो। सहस्त्रार्जुन को अपन गुरु दत्तात्रेय के द्वारा मिले वरदान स्वरुप एक हजार भुजाएं मिली थी जिसके बाद उन्हें सहस्त्रबाहु/सहस्त्रार्जुन के नाम से जाना जाने लगा।

माहिष्मती नरेश : महिष्मति नगरी के प्रमुख राजा होने के कारण उन्हें इस नाम से जाना जाता है।

दशग्रीवजयी : लंका के दस मुख वाले राजा रावण के ऊपर विजय प्राप्त करने के कारण उन्हें इस नाम की उपाधि मिली थी।

सप्त द्विपेश्वर : सातों दीपों पर राज करने के कारण कार्तवीर्य को इस नाम से भी जाना गया।

राज राजेश्वर : राजाओं के भी राजा होने के कारण उन्हें इस नाम से पहचान मिली। इसी नाम से उनका मंदिर भी वहां स्थित है।

सहस्त्रार्जुन का रावण से युद्ध :

एक बार रावण विश्व विजय के अभियान से महिष्मति नगरी आया था तथा नर्मदा नदी के तट पर भगवान शिव की पूजा कर रहा था। तब सहस्त्रबाहु ने अपनी हजार भुजाओं के बल से नर्मदा नदी का पानी रोक दिया था तथा रावण को पराजित करके उसे बंदी बना लिया था। उसके बाद रावण के दादा ऋषि पुलत्स्य के कहने पर उसने रावण को अपने कारावास से मुक्त किया था और लंका वापस जाने दिया था।

सहस्त्र अर्जुन की एक गलती :

एक बार सहस्त्रबाहु अपनी सेना के साथ भगवान परशुराम के पिता जमदग्नि के आश्रम गए थे। वहां उन्हें उनकी कामधेनु गाय पसंद आ गयी थी लेकिन ऋषि जमदग्नि ने उन्हें यह देने से मना कर दिया। इसके पश्चात् अपने अहंकार में राजा सहस्त्रबाहु ने बल का प्रयोग कर आश्रम को तहस-नहस कर दिया तथा वहां से गाय लेकर चले गए। उस समय भगवान परशुराम आश्रम में नहीं थे लेकिन जब परशुराम वापस आये तो उनका क्रोध सातवें आसमान पर पहुँच गया था।

सहस्त्र अर्जुन का कुल समेत वध :

भगवान परशुराम अपना परशु/ कुल्हाड़ी लेकर महिष्मति नगरी गए तथा राजा सहस्त्रबाहु की सारी भुजाएं काट डाली और उसका वध कर डाला। राजा के वध के पश्चात् जब परशुराम तीर्थयात्रा पर गए हुए थे तब सहस्त्रबाहु के पुत्रों ने ऋषि जमदग्नि की हत्या कर दी। इससे कुपित होकर भगवान परशुराम ने सहस्त्रबाहु के कुल का इक्कीस बार नाश कर दिया था तथा उसके वंश का नामोनिशान मिटा दिया था।

यदि किचन में कर लिए ये कार्य तो भरे रहेंगे अन्न के भंडार

किचन अर्थात् रसोईघर में वास्तु के कुछ नियम अपनाने से अन्न की कभी भी कमी नहीं होती है। रसोईघर से आपकी सेहत और समृद्धि जुड़ी हुई है। इसीलिए रसोईघर को आप आयुर्वेद और वास्तुशास्त्र के अनुसार जितना अच्छा रख सकते हैं रखें। लेकिन हम आपको यहां बताने जा रहे हैं वास्तु की एक छोटी सी टिप्स जिसके आजमाने से रसोईघर का वास्तुदोष तो दूर होगी ही साथ ही बरकत भी बनी रहेगी और अन्न के भंडार भरे रहेंगे।

नियम : वास्तुविज्ञान के अनुसार रसोईघर आग्नेय कोण में होना शुभ फलदायी होता है। यदि ऐसा नहीं है तो इससे घर में रहने वाले लोगों की सेहत पर खासतौर पर महिलाओं की सेहत पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। अन्न-धन की भी हानि होती है।

अन्न के भंडार भरें रहेंगे :

फल, सब्जी और फूल :

रसोई घर में किचन स्टेंड के ऊपर सुंदर फलों और सब्जियों के चित्र लगाएं। साथ ही अन्नपूर्णा माता का चित्र भी लगाएं तो घर में बरकत बनी रहेगी।

गणेशजी की ऐसी तस्वीर :

जिन घर में रसोई घर दक्षिण पूर्व यानि आग्नेय कोण में नहीं हो तब वास्तुदोष को दूर करने के लिए रसोई के उत्तर पूर्व यानी ईशान कोण में सिंदूरी गणेश जी की तस्वीर लगानी चाहिए।

अल्पना :

रसोईघर में छींका चौक, मां अन्नपूर्णा की कृपादृष्टि बनी रहे, इस हेतु विशेष फूल के आकार की अल्पना बनती है जिसके पांच खाने बनते हैं। हर खाने में विभिन्न अनाज-धन-धान्य को प्रतीक स्वरूप उकेरा जाता है। गोल आकार में बनी इस अल्पना के बीच में दीप रखा जाता है। अक्सर आप इस तरह की अल्पना या मांडना को गुजरात, मालवा, निमाड़ या राजस्थान के ग्रामीण या आदिवासियों के घरों में देख सकते हैं।

यज्ञ करते ऋषि :

यदि आपका रसोईघर अग्निकोण में न होते हुए किसी ओर दिशा में बना है तो वहां पर यज्ञ करते हुए ऋषियों की चित्राकृति लगाएं।

अग्निहोत्र कर्म करें :

जिस तरह हम जरूरतमंदों को अन्न जल देते हैं उसी तरह हमने जिस अग्नि और जल के माध्यम से यह अन्न बनाया है तो उसे भी अर्पित करें। इसे अग्निहोत्र कर्म कहते हैं। अग्निहोत्र कर्म दो तरह से होता है पहला यह कि हम जब भी भोजन खाएं उससे पहले उसे अग्नि को अर्पित करें। दूसरा तरीका है यज्ञ की वेदी बनाकर हवन किया जाता है।

भोजन के नियम :

भोजन करने के बाद थाली में ही हाथ न थोएं। थाली में कभी जूठन न छोड़े। भोजन करने के बाद थाली को कभी, किचन स्टेन, पलंग या टेबल के नीचे न रखें। ऊपर भी न रखें। रात्रि में भोजन के जूठे बर्तन घर में न रखें।

रसोईघर का रंग :

आग्नेय की दीवार पर नारंगी रंग कर सकते हैं। दक्षिण-पूर्वी कक्ष में पीले या नारंगी रंग का प्रयोग करना चाहिए।

रसोईघर में बैठकर ही करें भोजन :

वास्तु और ज्योतिष के अनुसार भोजन वहां करना चाहिए जहां रसोईघर हो। इससे राहु और केतु का प्रभाव नहीं होता है। जहां पर कोई छत नहीं है वहां भोजन करने से राहु और केतु के बुरे प्रभाव सक्रिय रहते हैं। लाल किताब में भी रसोईघर में बैठकर ही भोजन करने की सलाह दी जाती है।

नमक का पोंछा लगाएं :

सप्ताह में एक बार किचन में (गुरुवार को छोड़कर) समुद्री नमक से पोंछा लगाने से घर में शांति रहती है। घर की सारी नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होकर घर में झगड़े भी नहीं होते हैं तथा लक्ष्मी का वास स्थायी रहता है।

रात में ये है वर्जित :

रात में चावल, दही और सत्तू का सेवन करने से लक्ष्मी का निरादर होता है अत : समृद्धि चाहने वालों को तथा जिन व्यक्तियों को आर्थिक कष्ट रहते हों, उन्हें इनका सेवन रात के भोजन में नहीं करना चाहिए। भोजन सदैव पूर्व या उत्तर की ओर मुख करके करना चाहिए।

॥ सूचना ॥

यदि आप किसी नेता, पुलिस अथवा अन्य किसी भी विभाग के अधिकारी से परेशान हैं तो अपनी समस्या तुरन्त लिख भेजें हम प्रकाशित करेंगे।

सम्पादक - नायक भारती :
15, ट्रांसपोर्ट सेंटर, प्रथम तल, पंजाबी बाग चौक
समीप पिलर नं. 97 दिल्ली - 110035
011-27188607, 9810100965, 7042511037

Subhash Gupta ॥ जय माता दी॥ *Hitesh Gupta*
9350140796 *9312282192*

COMPLETE RANGE OF :
CIRCLIPS, SHIMS, DOWELL PINS (HOLLOW), ALLEN KEY BOLTS & HOSE CLAMPS
MATERIAL :
CARBON SPRING STEEL & STAINLESS STEEL

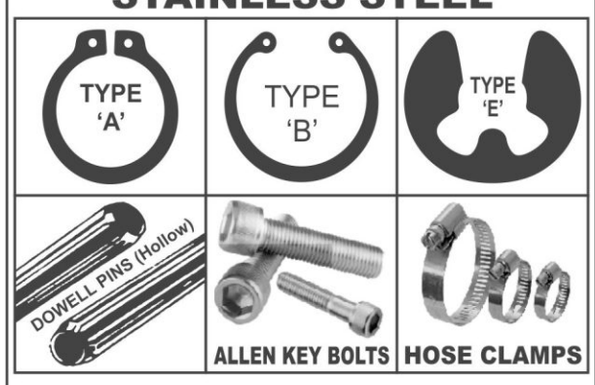

TECHNICAL BOOK AVAILABLE ON
Circlips, Shims, 'E' Clips & Spring Dowell Pins (Hollow)
Vaishno Circlips & Shims
1370/21-20, (Basement) Naiwala, Karol Bagh, New Delhi-110005
E-mail: vaishnocirclips@gmail.com Phone: (Shop) 011-28750618
www.vaishnocirclips.tradeindex.in
www.facebook.com/apethreewheelerparts

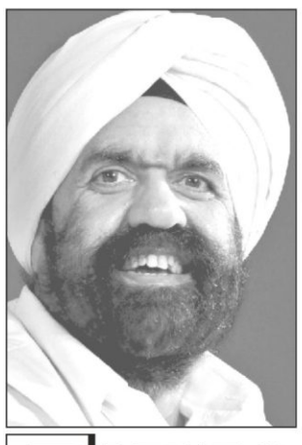

कब प्रवेश कर सकते हैं सन्यास आश्रम में

-संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

एक ब्राह्मण युवक 25 वर्ष की आयु में धर्मशास्त्रों की विद्या प्राप्त करने के पश्चात् इस सोच में था कि वो जीवन में कौन-सा मार्ग पकड़े, जिससे मानव जीवन का परम लक्ष्य प्राप्त करने में सुविधा हो। धर्मग्रन्थों के गूढ़ अध्ययन-मनन से जीवन एवं जगत की नश्वरता का विचार उसके मन में घर कर चुका था। कई विद्याओं में दक्षता प्राप्त करने के बावजूद वो इस बारे में कोई निश्चय नहीं कर पा रहा था। बहुत सोच-विचार करने पर भी जब वो किसी नतीजे पर न पहुंच सका तो हार कर कबीर साहब के चरणों में पहुंचा।

कबीर साहब उस वक्त अपने काम में व्यस्त थे। युवक ने अपनी समस्या कबीर साहब के आगे रखी और बोला, ''मैं कई दिन से विचार कर रहा हूं कि मैं कौन-सा रास्ता पकड़ूं, गृहस्थ या सन्यास? मगर कोई फैसला नहीं कर पा रहा। बहुत सोच-विचार किया मगर कुछ समझ नहीं आया। मेरी अक्ल काम नहीं कर रही। अब आप ही बताएं मैं कौन-सा रास्ता अख्त्यार करूं? गृहस्थ या सन्यास?''

कबीर साहब ने, जो उस वक्त ताना पूर रहे थे, ब्राह्मण युवक का सवाल तो सुना, मगर कोई जवाब न दिया। वो बराबर अपने काम में लगे रहे। युवक ने फिर अपना सवाल दोहराया, मगर कबीर साहब अपने काम में लगे रहे और युवक का सवाल फिर अनसुना कर दिया। थोड़ी देर बाद अपनी पत्नी को आवाज दी, ''देखना! मेरा ताना साफ करने का झब्बा कहां है?'' वो झब्बा ढूंढने लगी।

भरी दोपहर का वक्त था। तेज धूप से आंखें चुंधियाई जाती थी। थोड़ी देर तलाश करने पर भी कबीर साहब की पत्नी, माता लोई को झब्बा न मिला तो कबीर साह ने आवाज दी, ''अंधेरा है, चिराग जलाकर तलाश करो।'' वो चिराग तलाश करने लगी।

थोड़ी देर बाद कबीर साहब ने अपनी लड़की और लड़के को बुलाकर हुक्म दिया, ''तुम भी झब्बा तलाश करो।'' वो भी चिराग लेकर झब्बा तलाश करने लगे। इतने में कबीर साहब ने कहा, ''अरे! झब्बा तो यहां, मेरे कन्धे पर पड़ा है। तुम जाकर अपना काम करो।''

ब्राह्मण युवक ने अपना सवाल फिर दोहराया तो कबीर साहब बोले, ''तुम्हारे सवाल का जवाब तो मैं दे चुका। तुम समझे नहीं?'' नौजवान ने कहा, ''मैं समझा नहीं। जरा खोलकर समझाने का कष्ट करें।'' कबीर साहब ने कहा, ''देखो भई, गृहस्थ बनना चाहते हो तो ऐसे गृहस्थ बनो कि तुम्हारे कहने पर घर वाले रात को दिन और दिन को रात मानने को तैयार हों, अन्यथा रोज के झगड़ों का कोई फायदा नहीं।'' गृहस्थ जीवन का आदर्श प्रस्तुत करने के पश्चात् ब्राह्मण युवक को सन्यास आश्रम का परिचय देने के लिए कबीर साहब ने उसे अपने साथ आने का इशारा किया। उसे लेकर वो एक वयोवृद्ध साधु के पास गए जो एक ऊंचे टीले पर रहता था। कबीर साहब ने साधु को आवाज दी तो बूढ़ा साधु हांफता- कांपता, लुढ़कता-लड़खड़ाता टीले से नीचे उतरा।

कबीर साहब ने कहा, ''आपके दर्शनों के लिए आया था।'' साधु उसी तरह गिरता-पड़ता धीरे-धीरे टीले पर चढ़ने लगा। वो ऊपर चोटी पर पहुंचकर अपनी कुटिया में बैठने भी न पाया था कि कबीर साहब ने नीचे से फिर आवाज दी। साधु फिर लुढ़कता-लड़खड़ाता टीले से नीचे उतरने लगा। किसी भी प्रकार की परेशानी या बौखलाहट का भाव चेहरे पर लाए बिना, बड़े शान्त-स्थिर मिठास भरे लहजे से उसने कबीर साहब से पूछा ''कहिए, क्या आज्ञा है?'' कबीर साहब ने जवाब में कहा, ''एक बात मन में आई थी, सोचा था उस के बारे में खुलकर बात करूं, लेकिन उसके लिए समय नहीं है। फिर कभी बात करूंगा।''

साधु फिर ज्यों-त्यों करके टीले पर चढ़ने लगा। अभी उसने आधी चढ़ाई तय की थी कि कबीर साहब ने फिर आवाज दी। साधु फिर उसी शान्त-स्थिर भाव से नीचे उतरने लगा। नीचे आया तो कबीर साहब कहने लगे, ''कोई खास नहीं। ऐसे ही पुकार लिया था।'' साधु उसी शान्त भाव से वापस टीले पर चढ़ने लगा।

कबीर साहब ने ब्राह्मण युवक की ओर देखा और कहने लगे, ''कुछ देखा! साधु बनना हो तो ऐसे साधु बनो। बुढ़ापे की अवस्था, शरीर सूखकर मात्र एक हड्डियों का ढांचा रह गया है, आंखों से ठीक दिखायी नहीं देता, चलते हुए टांगें कांपती हैं। दो कदम चलने पर सांस उखड़ जाता है। फिर भी तीनों बार बुलाने पर बड़ी शान्ति से आए और उसी तरह वापस लौट गए। जरा भी दिल बुरा नहीं किया।

इतना धैर्य, इतनी शान्ति, इतनी क्षमा हृदय में हो और इस साधु की तरह खुशी-खुशी मुसीबत बर्दाश्त करने की ताकत हो तो सन्यास आश्रम में प्रवेश कर सकते हो।''

विभिन्न योगाभ्यासों के द्वारा कोरोना को हराया जा सकता है

कोरोना संक्रमण को लेकर पूरे देश में भय का माहौल बना हुआ है। ऐसे में लोग कोरोना से बचने के लिए अलग-अलग उपाय कर रहे हैं। लोग कई प्रकार के नुस्खे अपनाने के साथ-साथ शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए पुरानी परंपराओं की ओर भी लौट रहे हैं। इसमें सबसे महत्वपूर्ण है योग। योग के नियमित अभ्यास से शरीर स्वस्थ तो रहता ही है साथ-साथ हमारी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में काफी मददगार साबित होता है। योगासन से यह खांसी, जुखाम, वायरल बुखार, कमर दर्द, सांस लेने की तकलीफ आदि बीमारियां भी दूर भागती हैं। योग करने वाले व्यक्तियों में स्फूर्ति व ऊर्जा का संचार होने के साथ-साथ शरीर के नस नाड़ियों की शुद्धि भी होती है। साथ ही रोग से लड़ने की क्षमता भी मिलती है।

कोरोना काल में बढ़ी योग को लेकर जागरूकता :

जहां अभी तक कोरोना की दवाई को लेकर सिर्फ रिसर्च ही जारी है, वहीं भारत की पुरानी परंपरा दुनिया को कोरोना से लड़ने के लिए एक रास्ता दिखा रही है। कोरोना काल में आयुर्वेदिक औषधियों का इस्तेमाल कर लोग काढ़ा से अपना इम्युनिटी बूस्ट कर रहे हैं तो वहीं कोरोना के कारण लोगों में योग को लेकर जागरूकता भी बढ़ी है। अपने आप को स्वस्थ रखने के लिए लोग इन चीजों पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

इन योगाभ्यासों से कोरोना से लड़ा जा सकता है :

दरअसल कोरोना का संक्रमण उन लोगों को जल्दी अपना शिकार बना सकता है, जिनकी इम्युन पावर बहुत कमजोर होती है। आमतौर पर होने वाले संक्रमण में भी अगर किसी व्यक्ति की इम्युनिटी कमजोर होती है, तो वह जल्दी बीमार हो जाता है। ऐसे में योग इम्युन पावर बढ़ाता है, तो आईये जान लेतें है कुछ आसन-

कपालभाति-

कपालभाति एक प्रचलित प्राणायाम है। इस प्राणायाम को करने की प्रक्रिया में सांस लेते हैं और छोड़ते हैं। रोजाना करीब पांच मिनट तक इस प्राणायाम को करने से आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होगी और आप किसी भी प्रकार के संक्रमण से बचे रहेंगे।

कैसे करें :

सबसे पहले एक योग मैट बिछा लें। अब इस पर बैठ जाएं। सांस लीजिए और पेट पर जोर देते हुए तेजी से सांस को छोड़ें। प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करने के लिए इस प्राणायाम को आप रोज सुबह और शाम को पांच मिनट तक करें।

अनुलोम विलोम से भी मजबूत होती है इम्युनिटी :

अनुलोम विलोम से आपको सामान्य रूप से होने वाली सर्दी खांसी और जुकाम तक नहीं होती है। दरअसल अनुलोम विलोम प्रणायाम को करने से श्वसन क्रिया बेहतर हो जाती है। इसके अलावा डॉक्टरी रिसर्च के मुताबिक यह भी बताया जा चुका है कि इससे आपके शरीर की इम्युनिटी काफी मजबूत होती है।

कैसे करें :

एक शांत वातावरण में योग मैट या किसी भी आसन पर बैठ जाएं। अब अपने बाएं हाथ के अंगूठे से, बायीं नाक के छिद्र को बंद करके, दायीं नाक के छिद्र से सांस लें। अब दायीं नाक के छिद्र को अपनी एक उंगली से बंद करें और बायीं नाक के छिद्र को खोलकर, इसके जरिए सांस छोड़ें। दूसरी ओर से भी इस प्रक्रिया को दोहराएं। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचे रहने के लिए इस प्राणायाम को रोज सुबह करीब पांच मिनट तक करें।

भस्त्रिका प्राणायाम भी कोरोना को रखेगा दूर :

भस्त्रिका प्राणायाम के जरिए भी आप कोरोना वायरस से संक्रमित होने से बचे रहेंगे। भस्त्रिका प्रणायाम को करने से शरीर की कोशिकाएं स्वस्थ बनी रहती हैं और श्वसन क्रिया से जुड़ी कोई भी बीमारी आपको नहीं होगी। साथ ही साथ आपकी इम्युनिटी भी मजबूत रहेगी। इसके कारण आप कोरोना वायरस के संक्रमण से बचे रहेंगे भी।

कैसे करें :

सबसे पहले किसी योग मैट पर बैठ जाएं। अब एक गहरी सांस

लें। अब पेट पर जोर देते हुए सांस छोड़ें। इस प्रणायाम को करीब 3-5 मिनट तक करें। आप इसे सुबह और शाम दोनों समय कर सकते हैं।

प्राणायाम को आप रोज सुबह खुद तो करें ही, साथ ही अपनी फैमिली को भी इसे करने के लिए कहें। इससे न केवल आप कोरोना के संक्रमण में आने से बचेंगे बल्कि भविष्य में भी आप कई बीमारियों से बचे रहेंगे।

युगों से चली आ रही है योग की परंपरा :

भारत में योग को निरोगी रहने की करीब पांच हजार वर्ष पुरानी मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक पद्धति के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो भारतीयों की जीवनचर्या का अहम हिस्सा है। सही मायनों में योग भारत के पास प्रकृति प्रदत्त ऐसी अमूल्य धरोहर है, जिसका भारत सदियों से शारीरिक और मानसिक लाभ उठाता रहा है, लेकिन कालांतर में इस दुर्लभ धरोहर की अनदेखी का ही नतीजा है कि लोग तरह-तरह की बीमारियों के मकड़जाल में जकड़ते गए।

स्वामी विवेकानंद ने भी अपने शिकागो सम्मेलन के भाषण में सम्पूर्ण विश्व को योग का संदेश दिया था। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। योग के गुणों को देखते हुए आईये प्रण करें कि हर दिन कम से कम एक घंटा योग करेंगे और निरोगी रहेंगे।

टाइफाइड के लक्षण, जाँच, इलाज और घरेलू उपचार क्या है ?

टाइफाइड साल्मोनेला बैक्टीरिया से फैलने वाली खतरनाक बीमारी है। इसे मियादी बुखार भी कहते हैं। टाइफाइड फीवर पाचन तंत्र और ब्लटस्ट्रीम में बैक्टीरिया के इंफेक्शन की वजह से होता है। गंदे पानी, संक्रमित जूस या पेय के साथ साल्मोनेला बैक्टीरिया हमारे शरीर के अंदर प्रवेश कर जाता है। टायफायड की संभावना किसी संक्रमित व्यक्ति के जूठे खाद्य-पदार्थ के खाने-पीने से भी हो सकती है। वहीं दूषित खाद्य पदार्थ के सेवन से भी ये संक्रमण हो जाता है। पाचन तंत्र में पहुंचकर इन बैक्टीरिया की संख्या बढ़ जाती है। शरीर के अंदर ही ये बैक्टीरिया एक अंग से दूसरे अंग में पहुंचते हैं। टाइफाइड के इलाज में जरा भी लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। दवाओं का कोर्स पूरा न किया जाए तो इसके वापस आने की भी संभावना रहती है।

क्या है टाइफाइड बुखार :

टाइफाइड के बैक्टीरिया इंसानों के शरीर में ही पाया जाता है। इससे संक्रमित लोगों के मल से सप्लाई का पानी दूषित हो जाता है। ये पानी खाद्य पदार्थों में भी पहुंच सकता है। बैक्टीरिया पानी और सूखे मल में हफ्तों तक जिंदा रहता है। इस तरह ये दूषित पानी और खाद्य पदार्थों के जरिए शरीर में पहुंचकर संक्रमण पहुंचाता है। संक्रमण बहुत अधिक हो जाने पर 3 से 5 फीसदी लोग इस बीमारी के कैरियर हो जाते हैं। जहां कुछ लोगों को हल्की से परेशानी होती है, जिसके लक्षण पहचान में भी नहीं आते वहीं कैरियर लंबे समय के लिए इस बीमारी से ग्रसित रहते हैं। उनमें भी ये लक्षण दिखाई नहीं देते लेकिन कई सालों तक इनसे टाइफाइड का संक्रमण हो सकता है।

टाइफाइड बुखार के लक्षण क्या है :

संक्रमित पानी या खाना खाने के बाद साल्मोनेला छोटी आंत के जरिए ब्लड स्ट्रीम में मिल जाता है। लिवर, स्लीन और बोनमैरो की श्वेत रुधिर कणिकाओं के जरिए इनकी संख्या बढ़ती रहती है और ये रक्त धारा में फिर से पहुंच जाते हैं। बुखार टाइफाइड का प्रमुख लक्षण है। इसके बाद संक्रमण बढ़ने के साथ भूख कम होना, सिरदर्द, शरीर में दर्द होना, तेज बुखार, ठंड लगना, दस्त लगना, सुस्ती, कमजोरी और उल्टी जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। आंतों के संक्रमण के कारण शरीर के हर भाग में संक्रमण हो सकता है, जिससे कई अन्य संक्रमित बीमारियां होने का खतरा भी बढ़ जाता है।

सामान्यता टाइफाइड 1 महीने तक चलता है, लेकिन कमजोरी ज्यादा होने पर ज्यादा समय ले सकता है। इस दौरान शरीर में बहुत कमजोरी आ जाती है और जिससे रोगी को सामान्य होने में लंबा समय लग सकता है

टाइफाइड की जांच कैसे होती है :

शुरुआती स्टेज में रोगी के ब्लड सैंपल की जांच करके उसका इलाज शुरू किया जाता है। इसके अलावा रोगी का स्टूल टेस्ट करके उसके शरीर में टाइफाइड के बैक्टीरिया की मौजूदगी का पता लगाया जाता है। विडाल टेस्ट भी टाइफाइड के टेस्ट का प्रचलित तरीका है लेकिन कई बार टाइफाइड ठीक होने के बाद भी सालों-साल मरीज के ब्लड में विडाल टेस्ट पॉजिटिव आता रहता है। इसके लिए स्टूल और टाइफायड टेस्ट कराना बेहतर विकल्प है। कभी-कभी संक्रमण ज्यादा होने पर अगर मरीज को ज्यादा पेट दर्द या उल्टी हो तो सोनोग्राफी भी करनी पड़ सकती है।

कैसे करें टाइफाइड का इलाज :

टाइफाइड का इलाज एंटी बायोटिक दवाओं के जरिये किया जाता है। शुरुआती अवस्था का टाइफाइड एंटीबायोटिक गोलियों और इंजेक्शन की मदद से दो हफ्ते के अंदर ठीक हो जाता है। इसके साथ परहेज रखना बेहद जरूरी है।

ऐसे करें टाइफाइड के मरीज की देख-रेख :

टाइफाइड के दौरान तेज बुखार आता है। ऐसे में किसी कपड़े को ठंडे पानी में भिगोकर शरीर को पोंछे। इसके अलावा ठंडे पानी की पट्टियां सिर पर रखने से भी शरीर का तापमान कम होता है। कपड़े को समय समय पर बदलते रहना चाहिए। ये ध्यान रखना बेहद जरूरी है कि पानी बर्फ का न हो। पट्टी रखने के लिए साधारण पानी का इस्तेमाल करें।

टाइफाइड बीमारी के घरेलू उपचार :

- तुलसी और सूरजमुखी के पत्तों का रस निकालकर पीने से टाइफाइड में राहत मिलती है।
- लहसुन की तासीर गर्म होती है और यह प्राकृतिक एंटीबायोटिक है। घी में 5 से 7 लहसुन की कलियां पीसकर तलें और सेंधा नमक मिलाकर खाएं।
- सेब का जूस निकालकर इसमें अदरक का रस मिलाकर पीएं, इससे हर तरह के बुखार में राहत मिलती है।
- पके हुए केले को पीसकर इसमें एक चम्मच शहद मिलाकर दिन में दो बार खाएं।
- लौंग में टाइफाइड ठीक करने के गुण होते हैं। लौंग के तेल में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। आठ कप पानी में 5 से 7 लौंग डालकर उबाल लें। जब पानी आधा रह जाए इसे छान लें। इस पानी को पूरा दिन पीएं। इस उपचार को एक हफ्ते लगातार करें।

कोविड-19 के कारण बच्चों को हो रही है यह गंभीर बीमारी, ऐसे लक्षणों को न करें अनदेखा

कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने सभी उम्र के लोगों को संक्रमित किया है, इसमें बच्चे भी शामिल हैं। हालांकि ज्यादातर बच्चों में संक्रमण के हल्के लक्षण ही देखे गए हैं। संक्रमण की दूसरी लहर जैसे-जैसे खत्म होती दिख रही है, वैसे ही पोस्ट कोविड के मामले सामने आ रहे हैं। इस बीच कोविड-19 से ठीक हो चुके ज्यादातर बच्चों में एक गंभीर बीमारी देखने को मिल रही है, स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने मल्टी इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम (एमआईएस-सी) बीमारी के रूप में इसकी पहचान की है। डॉक्टर इसे कावासाकी सिंड्रोम से जोड़कर देख रहे हैं, जिसके कारण बच्चों में गंभीर जटिलताएं देखने को मिल सकती हैं, इतनी ही नहीं इससे ठीक होने में 6 महीने से अधिक का समय लग सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक कोविड-19 से ठीक हो रहे बच्चों में 4-6 सप्ताह बाद एमआईएस-सी के लक्षण देखे जा रहे हैं। लक्षणों की समय से पहचान करके बच्चों को त्वरित इलाज मुहैया कराना बेहद आवश्यक हो जाता है।

बच्चों में पोस्ट कोविड समस्याएं :

डॉक्टरों के मुताबिक एमआईएस-सी के ज्यादातर मामले कोविड-19 से ठीक हो चुके बच्चों में देखने को मिल रहे हैं। कोविड के बाद प्रतिरक्षा प्रणाली संक्रमण से अधिक प्रतिक्रिया करती है, जिसके कारण शरीर के कई हिस्सों में गंभीर सूजन की समस्या हो सकती है। ऐसी स्थिति में बच्चों को बुखार, सिरदर्द, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याओं के साथ ज्यादातर मामलों में त्वचा से संबंधित बदलावों को

स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

क्या कहते हैं अध्ययन?

एमआईएस-सी के अन्य प्रचलित लक्षणों के अलावा त्वचा में मौजूद म्यूकस मेंब्रेन (श्लेष्मा झिल्ली) के आधार पर बच्चों में एमआईएस-सी के शुरुआती संकेतों का पता लगाया जा सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक कोविड-19 से ठीक हो चुके बच्चों की त्वचा में दिखने वाले असामान्य परिवर्तनों को इन दिनों बिल्कुल भी अनदेखा नहीं करना चाहिए।

त्वचा पर देखे जा रहे हैं कई बदलाव :

अध्ययन के दौरान अस्पताल में भर्ती एमआईएस-सी वाले 35 बच्चों के लक्षणों को विशेषज्ञों ने विस्तार समझने की कोशिश की। विशेषज्ञों ने 83 फीसदी से ज्यादा बच्चों की त्वचा पर म्यूकोजल लक्षण (त्वचा पर चकत्ते, सूजन और लालिमा) देखे। इस आधार पर विशेषज्ञ कहते हैं कि इस समय बच्चों की त्वचा पर एलर्जी और संक्रमण के कारण होने वाली समस्याओं की भी बारीकी से निगरानी करनी चाहिए। त्वचा पर ये लक्षण हल्के या मध्यम हो सकते हैं लेकिन इसका शीघ्रता से उपचार बेहद आवश्यक होता है।

मल्टी इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम के लक्षण :

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक चूंकि ज्यादातर बच्चों में कोविड-19 के एसिम्टोमैटिक या हल्के लक्षण देखने को मिल रहे हैं, इसलिए मल्टी इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम के लक्षणों पर ज्यादा गौर नहीं किया जाता रहा है। कोविड-19 के निगेटिव रिपोर्ट वाले कई बच्चों में भी इस तरह के लक्षण देखने को मिल सकते हैं। इसलिए बच्चों में नजर आ रहे लक्षणों और कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों को ध्यान में रखते हुए समय पर इसका निदान किया जाना चाहिए। बच्चों में एमआईएस-सी के सामान्यतः निम्न लक्षण देखे जा सकते हैं-

- तेज बुखार।

- आंखों का लाल होना।
- बहुत अधिक थकान।
- चिड़चिड़ापन।
- पेट में दर्द।
- भ्रम की स्थिति।
- सांस लेने में तकलीफ और सीने में दर्द।
- पेशाब कम होना।

एमआईएस-सी के त्वचा संबंधी लक्षण

बच्चों में एमआईएस-सी के कारण त्वचा पर निम्न प्रकार की समस्याएं देखने को मिल सकती हैं। इन्हें जल्द से जल्द पहचानने की आवश्यकता होती है-

- होठों का फटना।
- सूजे हुए हाथ और पैर।
- त्वचा पर चकत्ते, शरीर पर पित्ती।
- आंखों में लालिमा।
- हाथों या पैरों के आसपास रंग में बदलाव।
- जीभ के रंग में बदलाव।

राम कुमार गुप्ता, दयाल चंद गर्ग, दौलतराम मित्तल, मुकेश गर्ग, सुभाष गर्ग, एस.के. सचदेवा, कमल अग्रवाल, सरोज गुप्ता, मीना गुप्ता, कमलेश अग्रवाल, बृजभूषण गुप्ता, ओमप्रकाश गोयल, मांगेराम बिंदल, शंकरदास बंसल
वीरेन्द्र गुप्ता, सतनारायण गोयल, अनिल गुप्ता, गिरधारी लाल गोयल, रमेश भास्कर, संतोष बंसल, पवन अग्रवाल, विजय भाटिया, सुशीला गर्ग, जगदीश प्रसाद, ऊषा गुप्ता, यशपाल बंसल, मनीष कुमार सिंघल, सुनीता सैनी
मनीष पुरी, राजीव कुमार, प्रदीप कुमार सिंघल, अरुण बंसल, के.सी. गुप्ता, सुरेन्द्र गुप्ता, नर्गिस खन्ना, ईश्वर गुप्ता, कंवरभान गोयल, महेन्द्र गोयल, दीपक सिंगल
अनिल कुमार मंगला, महेन्द्र सतपाल (पप्पा), रामधारी अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल, अविनाश बंसल, देवेश गुप्ता, पी.डी. गुप्ता, महेन्द्र कुमार गोयल, सतीश जिंदल, आई.डी. गर्ग, द्वारका प्रसाद गुप्ता, धर्मपाल गोयल, गगनदीप

नायक भारती राष्ट्रीय समाचार पत्र सलाहकार समिति के सदस्य बनने हेतु सम्पर्क करें : 9810100965

दीपक शर्मा को श्रद्धांजलि देते हुए हर आँख थी नम

नई दिल्ली । हरदिल अजीज, मिलनसार और सबके सुख-दुःख में सदैव अग्रणी रहने वाले डीडीए फ्लैट्स रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन जयदेव पार्क और धार्मिक सेवा समिति के अध्यक्ष श्री दीपक शर्मा को समाज, नाते-रिश्तेदारों और स्थानीय निवासियों ने 04 जून को प्रार्थना सभा में नम आँखों से श्रद्धांजलि अर्पित की। ज्ञातव्य है कि दीपक शर्मा का 26 मई को निधन हो गया था। वह 60 वर्ष की आयु के थे। वह पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे।

उनके शोकाकुल परिवार में धर्मपत्नी श्रीमती ज्योति शर्मा, पुत्र लक्ष्य, भाई अनिल शर्मा, भतीजा कार्तिकेय भारद्वाज आदि शामिल हैं। कोरोना संकटकाल के बावजूद सभी राजनीतिक पार्टियों, सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने प्रार्थना सभा में पधारकर सबके प्रिय दीपक शर्मा को श्रद्धांजलि दी।

नायक भारती समूह परमपिता परमात्मा से दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान देने व इस असहनीय दुःख की घड़ी में शर्मा परिवार को शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता है।

मैं प्रकृति हूँ हे मानव

पुष्पेन्द्र कुमार गोयल

मैं प्रकृति हूँ हे मानव,
मुझको तुमसे है यह गिला।
मैंने तुम को जन्म दिया,
तुमने मेरी छाती पर मूँग दला।।
मैंने तुमको दी वायु,
जिसने तुमको प्राण दिए।
तुमने उसका गला ही घोट दिया।।
यह मेरा जल
जिसने तुमको दिया जीवन,
तुमने उससे किया दगा,
उगल जहर, उसने प्रदूषण घोल दिया।
यह अग्नि शक्ति अपार,
जिसने तुमको ताप दिया,
तुमने उसको भी जला दिया।
तुमने मुझको है खूब छला,
मेरी छाती पर मूँग दला।।
मेरी जितनी भी रचना थी,
मानव को मैंने श्रेष्ठ दिया,
सबने मेरा अनुसरण किया
पर तुमने मुझको यह दिया सिला,
मेरी छाती पर मूँग दला।
अब आई मेरी बारी है,
नहीं लगती खैर तुम्हारी है,
जो तुमने ही एक अणु जना,
वह तुमको ही अब खाएगा,
लेकिन मेरा आक्रोश खरा,
मुझको यही बचाएगा।
क्या मानव क्या दानव दल,
सब ने मुझको है खूब ठगा,
मेरी छाती पर मूँग दला।।

मंत्री सत्येंद्र जैन ने किया आचार्य भिक्षु अस्पताल में औचक निरीक्षण

मोती नगर विधानसभा। कोरोना महामारी की दूसरी लहर ने एक ओर जहाँ आम आदमी की कमर तोड़ दी है वहीं दिल्ली सरकार ने कोरोना महामारी में अपने परिवारों के सदस्यों को खोने वाले लोगों के लिए मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने कई घोषणाएं की है, जैसे बच्चों की शिक्षा के लिए, उनको हर माह पेंशन और साथ ही आर्थिक रूप से मदद करने का दावा किया है। इसी क्रम में जहाँ कोरोना की रफ्तार को दिल्ली सरकार ने काबू कर लिया है आने वाले समय में दिल्ली के निवासियों को और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ मिल सकें इसके लिए दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन व मोती नगर विधानसभा के लोकप्रिय विधायक शिवचरण गोयल ने गत दिनों में मोती नगर के आचार्य श्री भिक्षु अस्पताल परिसर में बन रहे 400 बैड वाले अस्पताल का औचक निरीक्षण कर के चल रहे निर्माण कार्य का जायजा लिया। इस निरीक्षण में पीडब्लूडी के उच्चाधिकारी मौजूद रहे जिसमें उन्होंने ने बताया कि अस्पताल के आठवें माले के लिंटर का कार्य लगभग पूरा हो चुका। सत्येंद्र जैन ने इस कार्य को और तेजी से करने के लिए उच्च अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही विधायक गोयल ने हमें बताया कि दूसरी कोरोना महामारी की वजह से दिल्ली में लॉकडाउन लगाने के कारण पिछले कई दिनों से निर्माण कार्य लंबित था। दिल्ली में वर्तमान समय में हजार से भी कम केस आ रहे हैं। मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली में ऑक्सीजन बैडों की संख्या में युद्धस्तर पर बढ़ोत्तरी की गई है साथ आचार्य श्री भिक्षु अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट लगाने का कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है। वहीं निर्माण मजदूर और ऑटो रिक्शा के परिवारों को पांच-पांच हजार रूपये उनके खाते में डालने का कार्य केजरवाल सरकार कर रही है। लोगों को अगले दो माह के लिए राशन फ्री दे रही है और जिनके पास राशन कार्ड नहीं उनको 5 जून को स्कूलों में फ्री राशन दिया जायेगा। इसी के साथ गोयल ने केंद्र की बीजेपी के ऊपर आरोप लगाते हुए कहा कि वैक्सीन के ऊपर दिल्ली के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। दिल्ली को अपर्याप्त मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध मिल पा रही है।

हरियाणा में आई अपराधों की बाढ़

डॉ. सुशील गुप्ता
(राज्य सभा सांसद)

चंडीगढ़ । राज्य सभा सांसद एवं आम आदमी पार्टी हरियाणा के सहप्रभारी डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा है कि हरियाणा में अपराधों का ग्राफ दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है तथा अपराधों की बाढ़ सी आ रही है। जिसके चलते सूबे में ऐसा भयानक मंजर बन गया है कि आम आदमी एक अनजाने भय से ग्रस्त है और उसका जीना मुहाल हो रहा है। अपराधों में प्रतिदिन वृद्धि हो रही है। दिन दहाड़े सरेआम गोली बारी, हत्या, बलात्कार, मासूमों का अपहरण, सरेआम फिरौती की मांग, चोरी डकैती, स्नेचिंग की बढ़ रही घटनाएं जहाँ रोजाना सामने आ रही हैं वहीं साइबर क्राइम से बैंक खातों से लूट, बाइक एवं वाहनों की चोरियों ने लोगों की नाक में दम कर रखा है तो मादक पदार्थों एवं अवैध शराब का गोरख धंधा, गऊओं की तस्करी, अवैध खनन तथा अवैध हथियार लेकर चलने के मामलों ने तो लोगों को भय के साये में रहने को मजबूर कर दिया है।

राज्य सभा सांसद ने कहा कि सूबे की पिछले दो सप्ताह में दर्ज हुए अपराध के मामलों पर नजर दौड़ाई जाए तो हरियाणा में हालात कितने भयावह हैं इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने पिछले दो सप्ताह के अलग-अलग जिलों के आंकड़े पेश करते हुए बताया कि

14 मई को मानेसर में एक युवती का अपहरण एवं बलात्कार। 16 मई को जींद के गढ़ी ठाणे क्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा सब्जी में नशीला पदार्थ खिलाकर अपनी पुत्र वधू से बलात्कार। 18 मई को पलवल जिले में घर में सो रही 15 वर्षीय नाबालिग लड़की से दो युवक बन्दूक की नोंक पर बलात्कार कर फरार हो गए तो 18 मई को महेन्दरगढ़ के गांव झाड़ली में एक व्यक्ति ने पुलिस के सामने ही अपने जीजा की चाकू मार कर हत्या कर दी। 23 मई को फरीदाबाद में घरेलू नौकरानी के साथ तीन लोगों ने बलात्कार किया। 24 मई को रोहतक के महाराजा अग्रसेन स्टेडियम स्थित अखाड़े में बाइक सवार दो युवकों ने एलएलबी के एक छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी। 24 मई को हिसार में पत्नी के अवैध संबंधों के शक में एक व्यक्ति ने उसके प्रेमी के 9 वर्षीय बेटे को नहर में फेंक कर मार डाला। 24 मई को हिसार में बलात्कार की तीन घटनाएं दर्ज की गईं। 24 मई को ही यमुनानगर में एक महिला से 5 लोगों ने बलात्कार किया। 25 मई को यमुनानगर में विवाह का झांसा देकर एक महिला से बलात्कार करने का मामला सामने आया। 26 मई को पलवल मुंडकटी थाना क्षेत्र में गांव में एक युवक ने छह वर्षीय बच्ची का अपहरण कर रेप किया और उसकी हत्या कर दी। 26 मई को पानीपत में एक महिला द्वारा खर्च के लिए अपने पति से पैसे मांगने से गुस्साए पति तथा महिला की ननंद और नंदोई सहित 6 लोगों ने उसे तवे से बुरी तरह पीटने के बाद कमरे में बंद कर दिया।

पंख फाउंडेशन द्वारा फूड पैकेट वितरित

नई दिल्ली । कोरोना संकट काल में वीरवार, दिनांक 3 जून 2021 को पंख फाउंडेशन संस्था द्वारा रंगपुरी पहाड़ी क्षेत्र के स्लम एरिया में रहने वाले बच्चों को 250 फूड पैकेट्स वितरित किए गए। यह जानकारी पंख फाउंडेशन के मुख्य संरक्षक श्री राजेश गर्ग ने दी।

निगम पार्षद सुनीता मिश्रा द्वारा पौधारोपण

सोच इंडिया टीम मोती नगर थाना और मोती नगर रेडलाइट पर रहने वाले बच्चों के साथ मिलकर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। यहां इन बच्चों के बेहतर जीवन के लिए अच्छा प्रयास किया जा रहा है।

HPC
Gas & Home Appliances
Engineer's Enterprise with 36 Years Experience
Area wise
Dealers / Distributors
Required
Gas Geyser
6,10,16 Lit/min
Auto Clean
Model
Cooker Hood / Chimney
Automatic Model
Gas Stove
Single, Double, Three, Four and Five
Burner Gas Stove in
Glass and Stainless Steel
Induction Cooker
RAMA DOMESTIC APPLIANCES
15, Transport Centre, 1st Floor,
Punjabi Bagh Chowk, Metro Piller No. 97, Delhi-35
Mobile : 9871695230
Email : lakshitgoyal@gmail.com Web : www.hpcindia.co.in

RNI No. 42970/85, Postal Regn. No. G-3 DL (N) 127/2018-2020,
U No.-DN/26/2018-20

कोरोना काल में अनलॉक के दौरान फैक्टरियों में चैकिंग कहाँ तक उचित

हरिशंकर बंसल
(प्रधान : अग्रवाल परिषद्)

दिल्ली सरकार ने इसी सप्ताह फैक्टरियाँ चालू करने की इजाजत दी है लेकिन अधिकारी जैसे कि एसडीएम ऑफिस से दिल्ली पुलिस से या एमसीडी से हैं और जिनको ये भी नहीं मालूम कि अधिकार है भी या नहीं, फैक्टरियों में घुसकर मालिकों को कोरोना नियमों को लेकर परेशान किया जा रहा है और ब्लैकमेल करके अपनी जेबें गर्म की जा रही हैं जो कि अत्यन्त ही निन्दनीय है। ऐसे समय में जब कि हर कोई काम धंधों की वजह से या कोरोना की दूसरी लहर में अपने किसी के खोने से परेशान हैं ऊपर से ये सब करके अधिक परेशान करना सर्वथा अनुचित है। सरकार को चाहिए कि उचित कार्यवाही करके ऐसे अधिकारियों को रोके क्योंकि ऐसे समय में जनता को परेशान करना एक क्रूरता का काम है, क्योंकि जहाँ तक सवाल कोरोना से बचाव का है उसके लिए जुर्माना न लगाकर लोगों को जागरूक किया जाए और भविष्य के एि वॉर्निंग दी जाए। जनता पर किसी भी प्रकार का जुर्माना लगाने का अधिकार अधिकारियों को नहीं दिया जाना चाहिए, जिसका कि वे अपनी जेबें गर्म करने के लिए इस्तेमाल करें। यह इसलिए भी जरूरी हो जाता है क्योंकि कोरोना के फैलने के लिए सरकार ही जिम्मेदार रही है, कुंभ मेला होने दिया, चुनावी रैलियां हुईं, इसके अलावा वैक्सीनेशन की नीति शुरू से ही गलत रही और बीमारी बढ़ने पर न तो ऑक्सीजन मिल पाई और न ही अस्पतालों में बैड जिससे भारी संख्या में जान की हानि हुई और जब सरकार ही नाकाम रही है तो उस पर भी तो कार्यवाही होनी चाहिए।

नरेश सिंगल
(वास्तु विशेषज्ञ)

मेरे विचार से जो फैक्टरियों में मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग आदि की चैकिंग की जा रही है ये उचित है क्योंकि यह सच है कि कोरोना को फैलने से रोकने के लिए बचाव के नियमों का पालन जरूरी है लेकिन यह नियम तो सभी पर लागू होता है केवल फैक्टरियों के लिए ही तो नहीं। फिर ये अत्याचार फैक्टरी के मालिकों पर ही क्यों किया जा रहा है। वास्तव में पूरे भारत में हर व्यक्ति को कोरोना से बचाना जरूरी है और ये नियम हर वर्ग धर्म व जाति के लोगों के लिए है अब किसी एक वर्ग को परेशान करना, विशेषतौर पर फैक्टरियों में ही जाकर चैकिंग करना तथा उनके मालिकों से जुर्माना वसूलना गलत है, होना ये चाहिए कि फैक्टरी में या कहीं भी कोई व्यक्ति बिना मास्क पाया जाए उससे ही जुर्माना वसूला जाए। इस संदर्भ में जिन अधिकारियों को अधिकृत किया गया है वे ईमानदारी से अपनी ड्यूटी करें तथा जितने वर्कर्स बगैर मास्क के दिखाई दें उनसे पूरा जुर्माना वसूल करें, कोई भी थोड़ा पैसा लेकर न छोड़ें वरना फिर लोगों को भी आदत हो जाएगी और वे नियमों का उल्लंघन आसानी से करते रहेंगे। यदि सभी व्यक्ति कोरोना बचाव नियमों का पालन करना शुरू कर देंगे तो फिर ये महामारी फैलने से रुक जाएगी। इसके अलावा सभी लोग कोरोना वैक्सीन लगवाऐं तथा स्वस्थ लोगों से दूर रहें। मेरा तो सरकार से निवेदन है कि रैस्टोरेंट व दुकानें भी सशर्त खोल दें ताकि व्यापारियों को अपना माल बेचने में आसानी हो। बाकी इस कानून में कुछ संशोधन किया जाना चाहिए जो अधिकारी फैक्टरी मालिकों से वर्कर्स पर लगाया जुर्माना वसूल रहे हैं।

अशोक गुप्ता
(प्रखण्ड अध्यक्ष : विश्व हिन्दू परिषद्)

मेरे विचार से सबसे पहले कोरोना प्रोटोकॉल का प्रबंध होना चाहिए। क्योंकि इनकी आड़ में सरकारी अधिकारी पैसे मांगते हैं। इससे व्यापार व उत्पादन में रुकावट आती है। अगर ऐसा ही माहौल रहा तो कैसे अर्थव्यवस्था संभल पाएगी। वास्तविकता यह है कि इस समय तीन विभाग हैं जो फैक्टरी मालिकों को तंग कर रहे हैं एक एमसीडी, दूसरा एसडीएम स्टॉफ तथा तीसरा दिल्ली पुलिस किसी भी समय इनके अधिकारी फैक्टरी में आ जाते हैं तथा चैकिंग शुरू कर देते हैं तथा जितने भी वर्कर्स मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग के बगैर दिखाई देते हैं तुरन्त ये अधिकारी फैक्टरी के मालिक से जुर्माना मांगने लगते हैं। इसलिए सभी फैक्टरी मालिकों ने स्टाफ को मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग आदि नियमों का पालन करने को कहा है। अब यदि चैकिंग स्टॉफ भी सहयोग दे तथा वर्कर्स के साथ मित्रवत व्यवहार करे तो ही वे सब भी भलीभांति कार्य करेंगे। एक विभाग DDMA भी है जो दिल्ली सरकार के अंतर्गत है उनको भी अपना व्यवहार बदलना होगा। सभी एक दूसरे का ख्याल रखेंगे तो ही देश भी तरक्की कर पाएगा तथा अर्थव्यवस्था का भी स्तर ऊँचा हो पाएगा। वैसे तो सच्चाई यह है कि यदि सभी वर्कर्स सेनिटाइजर, मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग रखेंगे तो उन सबके अपने लिए भी तो लाभदायक रहेगा वे इस भयानक महामारी से बचे रहेंगे तथा जुर्माना भी नहीं भरना पड़ेगा।

दौलतराम मित्तल
(चेयरमैन : फ्रैंड्स एसो. चैरि. ट्रस्ट)

मेरे विचार से तो इस तरह फैक्टरियों के अंदर जाकर चैकिंग करना मुनासिब बात नहीं है। इससे उत्पादकों को परेशानी होती है, कई टीमें आकर चैक करेंगी जिससे वर्कर्स का ध्यान काम से हटेगा जिससे व्यापारियों को नुकसान होगा। वैसे तो अब लगभग लोग बचाव नियमों का पालन करते हैं। इस समय हर व्यक्ति को अपनी जान प्यारी है। इसलिए सभी लोग मास्क लगाए रहते हैं। यदि कोई बचाव नियमों का पालन नहीं करता तो अधिकारी उसे वॉर्निंग देकर एक बार छोड़ दें तथा दूसरी बार फिर वह बगैर मास्क के मिले तो उस पर ही जुर्माना लगाया जाना चाहिए फैक्टरी मालिक पर नहीं, क्योंकि हर फैक्टरी मालिक अपने वर्कर्स को सेनिटाइजर व मास्क लगाने का आदेश देता है। मेरा तो सरकार से यही निवेदन है कि व्यापारियों की मदद करे उन पर जुर्माना आदि न लगाए। इस समय हमारे देश की अर्थव्यवस्था वैसे ही मंदी में चल रही है। ऐसे में यदि व्यापारी भलीभांति काम नहीं कर पाएंगे तो कैसे विकास होगा। इसलिए व्यापारी वर्ग को परेशान नहीं होना चाहिए।

मोहन गर्ग
(वरिष्ठ समाजसेवी)

जैसा कि सब जानते हैं 1 जून से दिल्ली में सब फैक्टरीज को खोलने की इजाजत दी गई है। यह इजाजत इस बात पर दी गई है कि फैक्टरी के मालिक कोरोना प्रोटोकॉल या नियमों का पालन करते हुए अपने उद्योग का संचालन करेंगे। आज मैं टाइम्स ऑफ इंडिया पढ़ रहा था उसमें खबर थी कि कोरोना प्रोटोकॉल हो रहा है या नहीं हो रहा इसके लिए जिला अनुसार स्पेशल टॉस्क फोर्स बनाई गई है, स्पेशल टीम्स बनाई गई हैं जो औद्योगिक क्षेत्रों में जाकर फैक्टरियों के भीतर जाकर ये सुनिश्चित करेंगी कि जो भी काम चल रहा है वह कोरोना प्रोटोकॉल के हिसाब से चल रहा है, यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण कदम है। कोई भी सरकार हो वह अपनी अफसरशाही पर ज्यादा भरोसा करती है, व्यापारी पर बिल्कुल नहीं करती। आज हर घर में कोरोना दस्तक दे चुका, तो हर व्यापारी समझदार है, हर वर्कर भी समझदार है कि उसको अपना बचाव कोरोना से करना है लेकिन ये एसटीएफ बनाना, टीमें फैक्टरियों के अन्दर चैकिंग के लिए भेजना, ये तो व्यापारियों और कर्मचारियों का शोषण ही होगा, जबकि हम जानते हैं कि जहां भी इंस्पैक्टर्स का कोई भी नाम आ जाता है तो हमारा देश पूरे विश्व में भ्रष्टाचार में बहुत ऊँचे मुकाम पर है। मैं दिल्ली सरकार से निवेदन करूँगा कि अपने ये आदेश वापस ले और जब तक कोई बहुत बड़ी शिकायत न हो कि फैक्टरियाँ इसका पालन नहीं कर रहीं या उस क्षेत्र में कोरोना फैल रहा है, तब तक ऐसे आदेशों की जरूरत नहीं। ये ठीक है कि आप इंडस्ट्रियल एरिया में जाएं वहां रेपिड टेस्ट, आरपीसीआर टेस्ट की सुविधाऐं हों बाकी भी डॉक्टर्स की सुविधाऐं हों किसी को कोई बुखार, बीमारी हो, उसको इलाज देने, सुविधाऐं देने का काम सरकार का होना चाहिए न कि वह निजी क्षेत्र में जाकर उनको परेशान करने की पावर दे।

बालकिशन अग्रवाल
(सोशल एक्टिविस्ट)

वास्तव में ये फैक्टरियों में तीन-तीन टीमों की चैकिंग के पीछे केजरीवाल का हाथ है, अब इसे बेवकूफी कहें या राजनीति कुछ पक्का नहीं कह सकते, क्योंकि एक तो पहले ही सभी के कामधंधे मंदे चल रहे हैं, उत्पादन भी भलीभांति नहीं हो पा रहा। कोरोना प्रकोप के कारण बारबार फैक्टरियां व दुकानें बंद करनी पड़ रही हैं ऊपर से कुछ समय के लिए खुलती भी हैं तो विभिन्न तरीकों से फैक्टरी मालिकों या दुकानदारों को परेशान किया जाता है। हम सभी देख रहे हैं कि केजरीवाल शासन प्रबंधन में काफी कमजोर है, इसलिए इसे अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। अब एक साधारण सी बात है कि फैक्टरीज में आमतौर से इतनी ज्यादा जगह नहीं होती कि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया जाए, साथ ही फैक्टरी में लगातार नाक, मुंह मास्क से बंद रखने में दम घुटता है तो हर समय वर्कर्स कैसे मास्क लगाए रखेंगे तथा कैसे सोशल डिस्टेंसिंग रखेंगे। अब या तो केजरीवाल फैक्टरी वालों को इतने बड़े प्लाट्स दिलवाएं या और कुछ प्रबंध करें जिससे कोरोना बचाव के नियमों का पालन हो सके और अगर नहीं कर सकते तो इन अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही करें जो फैक्टरी मालिकों से नाजायज तौर पर जुर्माना वसूल रहे हैं। क्या घरों के अंदर भी मास्क व डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करना होगा यदि ऐसा है तो फैक्टरियों के अंदर भी होना चाहिए वरना ये अत्याचार फैक्टरियों के मालिकों पर न करें। वास्तव में दिल्ली सरकार को दिल्ली की जनता का ख्याल रखना चाहिए। मुख्यमंत्री से मेरा निवेदन है कि फैक्टरी मालिकों पर होने वाले अत्याचार को रोकें तथा सख्ती से सारे वर्कर्स को मास्क लगाने की वॉर्निंग दें।

प्रेम गोयल
(सृष्टि वाटिका)

मेरे विचार से अनलॉक शुरू किया गया है ठीक ही है लेकिन इसमें कुछ कमियाँ भी हैं। अब जैसे फैक्टरियाँ खोल दी गईं लेकिन दुकानें नहीं खोली गईं, कंस्ट्रक्शन खोल दिया गया लेकिन मैटिरियल की दुकानें नहीं खोलीं, इसके अलावा फैक्टरियों में एमसीडी, दिल्ली पुलिस व एसडीएम के अधिकारियों द्वारा चैकिंग की जा रही है मगर जो वर्कर्स मास्क नहीं लगा रहे उनका जुर्माना फैक्टरी मालिकों से लिया जा रहा है ये कुछ गलत नियम बनाए गए हैं जिनमें संशोधन अनिवार्य है। फैक्टरी मालिक पहले ही परेशान हैं पिछले लगभग दो वर्षों से कारोबार मंदे चल रहे हैं, अर्थव्यवस्था मंदी की ओर अग्रसर है। ऐसे में वर्कर्स को पूरी तन्ख्वाह भी दे रहे हैं लेकिन ऊपर से वर्कर्स की गलती पर हुए जुर्माने को फैक्टरी मालिक क्यों भरें। इस कानून में संशोधन अनिवार्य है। इसमें एक संशोधन ये भी होना चाहिए कि जुर्माने की रकम कम करे इसे बहुत से बहुत 500/- तक ही कर देना चाहिए तथा ये जुर्माना वर्कर्स से ही लिया जाना चाहिए। ये ठीक बात है क्योंकि फैक्टरी मालिक वर्कर की गलती पर जुर्माना क्यों भरे। इसके लिए फैक्टरी मालिकों को चाहिए कि मास्क के बगैर वर्कर्स की फैक्टरी में एंट्री बंद करे तथा ऐसा प्रबंध करे कि सोशल डिस्टेंसिंग बना रहे। इससे यदि चैकिंग भी होगी तो न तो वर्कर को जुर्माना देना पड़ेगा न मालिक को। इसलिए मालिक भी मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग नियम का पालन करें।

जय नारायण बंसल
(समाजसेवी)

वास्तव में फैक्टरियों में चैकिंग बे-बुनियाद है और अधिकारी बेकार में परेशान कर रहे हैं। इस समय सरकार व्यापारियों की सुविधा के बारे में कुछ भी नहीं सोच रही। वे किस एक्शन से परेशान होंगे ये किसी सरकार की समझ में नही आ रहा है। सरकार को चाहिए कि कोरोना बचाव नियमों को सख्ती से लागू करें तथा समय-समय पर वॉर्निंग दें कि यदि वे नियमों का पालन नहीं करेंगे तो उन पर जुर्माना लगेगा तथा सजा भी हो सकती है तब अवश्य ही लोगों को समझ आएगी अब केवल फैक्टरी मालिकों के ऊपर ही चैकिंग टीम से अटैक करवाया जाएगा और वर्कर की गलती पर फैक्टरी मालिक से जुर्माना वसूला जाएगा। ये सरासर नाइंसाफी की बात है एक तरफ तो व्यापारियों को कोई सुविधा या लाभ न दो और ऊपर से जुर्माने टैक्सेज की भरमार कर दो। इन तरीकों से देश की अर्थव्यवस्था क्या प्रगति की ओर जा पाएगी, शायद कभी नहीं। इस समय पूरा विश्व कोरोना महामारी से परेशान है परन्तु जितनी समस्याएँ भारतवर्ष में आ रही हैं उतनी शायद किसी देश में नहीं। मेरी तो सरकार से यही विनती है कि उत्पादकों को डिस्टर्ब करने के बजाए उनकी सहायता करे न कि टीमें बनाकर फैक्टरियों में चैकिंग करें।

बसंत मंगला
(सोशल एक्टिविस्ट)

मेरा विचार तो यह है कि यदि इस भयानक महामारी से बचना है तो ये जो फैक्टरियों में वर्कर्स की चैकिंग हो रही है यह ठीक है, जब तक सरकारों की ओर से सख्ती नहीं होगी लोग कोरोना से बचाव के नियमों का पालन नहीं करेंगे और यह एक सच है कि Precaution is better than cure अर्थात् किसी भी बीमारी से बचाव के उपाय पहले ही कर दिए जाएं तो फिर वह बीमारी अटैक कर ही नहीं पाएगी। अब कुछ लोग वैक्सीन को ही बुरा बता रहे हैं, मुस्लिम कहते हैं कि इससे लोग नपुंसक हो जाएंगे, कुछ हिन्दू कहते हैं कि इससे शरीर में और बीमारियां पैदा हो जाएंगी। इस तरह वे इतने बड़े-बड़े डॉक्टर्स व रिसर्च स्कॉलर्स की खोज पर आलोचना कर रहे हैं, वे ये नहीं देख पा रहे कि हजारों लोग इस वैक्सीन से स्वस्थ भी हो रहे हैं। वास्तविकता यह है कि सरकार पूरी कोशिश कर रही है कि ये कोरोना महामारी न फैले, इसी उद्देश्य को लेकर सबसे पहले सरकार उन लोगों को चैक कर रही है जो इस बीमारी को फैला रहे हैं। इसीलिए दिल्ली पुलिस, एमसीडी तथा एसडीएम के अधिकारियों को इस काम के लिए अधिकृत किया गया है कि वे सभी फैक्टरियों के अन्दर जाकर चैक करें कि वहां मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग आदि नियमों का पालन किया जा रहा है या नहीं। अब यदि कोई उल्लंघन करता पाया गया तो उस फैक्टरी के मालिक से जुर्माना लिया जाएगा क्योंकि फैक्टरी मालिक ने उन्हें छूट दी। लेकिन इतना अधिक जुर्माना लगाना ठीक नहीं है, ये जुर्माना अधिक से अधिक 200/- ही होना चाहिए और ये उसी व्यक्ति से लें जिसने नियम का उल्लंघन किया है। रोड्स पर या ट्रैफिक या दिल्ली पुलिस वाले लोगों से मारपीट न करें। वैसे हर समय मास्क लगाने से कभी-कभी दम सा घुटने लगता है इसलिए इसमें थोड़ी रियायत भी करनी चाहिए और फैक्टरी वालों को विशेषतौर से तंग न करें।

डॉ. रामबाबू सिंगल
(वरिष्ठ उपाध्यक्ष : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव समिति)

मेरे विचार से सभी फैक्टरीज में कानूनन काम करने वाले वर्कर्स को मास्क लगाना जरूरी है और सोशल डिस्टेंसिंग भी जरूरी है नहीं तो एक बार फिर तीसरी और भयानक कोरोना लहर आ जाएगी जिससे बचना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन होगा। वास्तव में अभी देश से कोरोना गया नहीं है। वास्तव में ऐसे पीरियड में हमारी सबकी जिम्मेदारी है फैक्टरी में काम करने वाले वर्कर्स को सेनिटाइजर व मास्क लगाने को कहें। सरकारी कर्मचारियों को तो मौके की तलाश होती है, इसलिए हम सभी का कोरोना से बचाव के नियमों जैसे सोशल डिस्टेंसिंग, सेनिटाइजर, मास्क आदि का ख्याल रखें ताकि स्वयं भी स्वस्थ रहें और सरकार द्वारा जुर्माना भी न भरना पड़े। चैकिंग तो होती ही रहेगी इसलिए फैक्टरी मालिकों को भी मास्क के बगैर फैक्टरी या कार्यालय में नहीं रहना चाहिए। यह सच है कि जब तक कोरोना है ये चैकिंग लगातार चलती रहेगी और सख्ती भी रहेगी तथा हमें सरकार द्वारा जो कोरोना से सम्बन्धित निर्देश दिए गए हैं वे हमें मानने पड़ेंगे ये हमारे लिए ही तो लाभदायक हैं। हम यदि सही होंगे तो अधिकारियों को भी समझा सकते हैं कि वे सख्ती न करें। अब यदि कोरोना से अपनी जान बचानी है तो कोरोना से बचाव के सभी नियम अपनाने होंगे तथा वैक्सीन भी लगवानी होगी।

रघुवीर चंद गर्ग
(सीनियर सोशल एक्टिविस्ट)

मेरे विचार से तो चैकिंग ठीक ही है जब लोगों को जुर्माने का डर होगा तो सभी नियमों का पालन करेंगे वरना लोग लापरवाही करेंगे और फिर परिणाम वही होगा जो इस वर्ष भी हमारे सामने आया। 2020 के अन्तिम महीनों में कोरोना का प्रकोप कम हो गया था फिर तुरन्त लोगों ने अपने मास्क पहनने बंद कर दिए, सोशल डिस्टेंसिंग भी समाप्त किया इसीलिए ये कोरोना की दूसरी लहर आई जो पहली लहर से भी ज्यादा खतरनाक थी और अब कुछ कोरोना पर कंट्रोल आया है तो सारी एहतियातें अभी तब तक रखनी होंगी जब तक 1 प्रतिशत कोरोना पेशेंट मौजूद हैं। क्योंकि ऐसा अंदाजा लगाया जा रहा है कि यदि अब कोरोना की तीसरी लहर आई तो वह इतनी खतरनाक होगी जिसको कंट्रोल करना मुश्किल हो जाएगा और शायद अनगिनत लोग इसकी भेंट चढ़ जाएंगे। इसलिए सभी देशवासियों की जान बचाने के लिए अभी लगातार सभी कोरोना बचाव नियमों पर चलना होगा क्योंकि ये वे नियम हैं जो हिन्दुस्तान के बड़े-बड़े डॉक्टर्स व रिसर्च स्कॉलर्स तथा वैज्ञानिकों ने खोजबीन करके बनाए हैं। अब रही बात फैक्टरियों में तीन-तीन विभागों द्वारा चैकिंग की बात तो ये तरीका गलत है कि किसी भी फैक्टरी में यदि कोई वर्कर बगैर मास्क पाया गया तो उसका जुर्माना फैक्टरी के मालिक से लिया जाएगा। इस कानून को बदलना चाहिए जो वर्कर कानून का उल्लंघन करता पाया जाए तो जुर्माना भी उसी से लिया जाना चाहिए। इससे डरकर सभी लोग कानूनों का पालन करेंगे।

भारत भूषण मदान
(भाजपा नेता)

मेरे विचार से कोरोना से बचाव के नियमों का पालन करना इस समय अत्यन्त जरूरी है क्योंकि अभी तक कोरोना पूरी तरह काबू में नहीं आया है जबकि वैक्सीनेशन का सिलसिला जारी है। लोग ठीक भी होते जा रहे हैं मगर क्योंकि हमारे समाज में अभी कोरोना पेशेंट मौजूद हैं तो बचाव नियमों का पालन तो करना ही पड़ेगा वरना ये फिर फैलना शुरू हो जाएगा। इसी अभियान के तहत मोदी जी का कहना है कि जब तक देश में एक भी कोरोना पेशेंट मौजूद है एहतियात करनी होगी। इसी अभिान के अंतर्गत फैक्टरियों में भी चैकिंग की जारी है लेकिन एक बात गलत हो रही है कि व्यापारियों/फैक्टरी मालिकों से वर्कर्स द्वारा किए गए नियमों के उल्लंघन का जुर्माना लिया जा रहा है। दिल्ली सरकार ने फैक्टरियों खोलने की इजाजत तो दे दी परन्तु दुकानों को खोलने की इजाजत नहीं, तो फैक्टरी वाले अपने प्रॉडक्शन कहां बेचेंगे और कोई भी दुकानदार क्यों तैयार माल खरीदेगा। इस तरह ये नियम यदि बनाए जाते कि कोरोना बचाव नियमों का पालन करते एक मॉर्केट में आधी दुकानें खोली जाएं तो इस तरह न तो फैक्टरी वाले परेशान होते न ही दुकानदार। यह तो सच है कि अभी कोरोना की तीसरी लहर आने के चांसेस हैं इसलिए बचाव नियमों का पालन तथा सभी लोगों को वैक्सीन लगाना जरूरी है ताकि तीसरी लहर आने का नम्बर ही न आए।

देवराज बवेजा
(अध्यक्ष : दिल्ली व्यापार महासंघ)

मेरे विचार से तो कोरोना काल में आनलॉक के दौरान फैक्टरियों में चैकिंग उचित नहीं है क्योंकि एक तो सभी व्यापारी परेशान हैं। सभी के कारोबार व उत्पादन लगभग बंद पड़े हैं। अब अगर फैक्टरियाँ खुली भी हैं तो तीन-तीन विभागों द्वारा परेशान किया जा रहा है। एक तरफ एसडीएम कार्यालय के अधिकारी दूसरे एमसीडी तथा तीसरे दिल्ली पुलिस अधिकारी फैक्टरियों में चैकिंग के लिए आ धमकते हैं, अब यदि इस तरह से विभिन्न विभागों द्वारा डिस्टर्ब किया जाएगा तो उत्पादक व्यापारी अपना प्रोडक्शन और व्यापार कैसे कर पाएंगे। वैसे सरकार को इस चैकिंग के लिए किसी एक विभाग को अधिकार देना चाहिए था और साथ ही सभी फैक्टरी मालिकों व वर्कर्स के लिए एक नियम बनाना चाहिए था कि फैक्टरीज में सभी व्यक्ति मास्क तथा सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखेंगे और यदि कोई भी इसका पालन नहीं करेगा तो उस पर जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अलावा जुर्माना वही व्यक्ति देगा जो नियमों का उल्लंघन करता पाया गया है। फैक्टरी मालिक से सबका जुर्माना न लिया जाए। वास्तव में तो वर्तमान समय में अधिकतर लोग अपनी सुरक्षा के लिए मास्क, सेनिटाइजर, सोशल डिस्टेंसिंग आदि के नियमों पर चल रहे हैं तो कोई जरूरी नहीं कि बार-बार तीन विभागों के लोग अलग-अलग दिनों व समय पर चैकिंग के लिए आएं तथा काम को डिस्टर्ब करें।

संजय गुप्ता
जनरल सेक्रेट्री,
नरेला चैम्बर ऑफ कॉमर्स
एण्ड इंडस्ट्रियल एसोसिएशन

मेरे विचार से तो दिल्ली में अनलॉक के दौरान फैक्ट्रियों में चेकिंग के नाम पर उगाही का नया फार्मूला निकाला गया है। दिल्ली में अनलॉक करके फैक्ट्रियों में चेकिंग के नाम पर अवैध प्रवेश और मालिक और कर्मचारियों को धमकाकर डराकर और अपनी पावर का रौब दिखाकर उनसे अवैध उगाही करना, मना करने पर चालान करना और फैक्ट्री सील करने की धमकी देना केवल और केवल उगाही का केंद्र है। अगर सरकार प्रवासी मजदूरों कर्मचारियों एवं मालिकों की सच्ची हमदर्द है तो उद्योग क्षेत्रों में सभी व्यक्तियों की वैक्सीनेशन के लिए कैंप लगाए और मालिकों को कहे कि बिना वैक्सीनेशन उद्योगों में प्रोडक्शन शुरू न करें। तभी यह समझा जा सकता है कि सरकार को वर्कर्स के स्वास्थ्य की अधिक फिक्र है और इसीलिए विशेष तौर पर फैक्टरियों में घुसकर चैकिंग की जा रही है।

नायक भारती हिन्दी सप्ताहिक
RNI No. 42970/85
Postal Regn. No. G-3 DL (N) 127/2018-2020,
U No.-DN/26/2018-20
स्वामी नायक भारती, दिल्ली के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनमोहन कृष्ण द्वारा, 15, ट्रांसपोर्ट सेंटर, निकट पंजाबी बाग फ्लाईओवर, दिल्ली-110035 से प्रकाशित तथा विभा पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, डी-160-बी सेक्टर-7, नोएडा (यू.पी.) से मुद्रित। संस्थापक : स्व. श्री कैलाश चन्द गुप्ता, संपादक : मनमोहन कृष्ण-09810100965, प्रबन्ध संपादक : अश्विनी कुमार,
फैक्स : 27107058 Email : nayak_bharti@hotmail.com (नोट : प्रकाशित सभी लेखों आदि से सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाएगा)